वर्ष : 34 | अंक : 360 | मुंबई, सोमवार, 9 मार्च 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

फाइनल में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को 96 रन से हराया, लगातार दूसरी बार जीता खिताब

एजेंसी । अहमदाबाद

भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर लगातार दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की। इसके साथ ही भारत टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में तीन बार खिताब जीतने वाली पहली टीम बन गया है।अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो टी20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर है। जवाब में न्यूजीलैंड की पूरी टीम 159 रन पर सिमट गई।

भारत फिर बना टी-20 विश्व चैंपियन

टीम इंडिया ने रचा इतिहास

इस जीत के साथ भारत ने टी20 वर्ल्ड कप का खिताब तीसरी बार अपने नाम कर लिया। साथ ही भारत लगातार दो बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम भी बन गया है। अहमदाबाद के इसी मैदान पर 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल की हार का दर्द झेल चुके भारतीय फैंस के लिए यह जीत खास रही। टीम इंडिया ने उसी मैदान पर शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया और विश्व क्रिकेट में अपनी बादशाहत एक बार फिर साबित कर दी।

भारतीय बल्लेबाजों ने की रिकॉर्डतोड़ बल्लेबाजी

भारत की ओर से संजू सैमसन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों में 89 रन बनाए और टूर्नामेंट में लगातार तीसरा अर्धशतक जड़ा। अभिषेक शर्मा ने भी तूफानी अंदाज में 21 गेंदों पर 52 रन बनाए, जबकि ईशान किशन ने 23 गेंदों में 54 रन की तेज पारी खेली। अंतिम ओवरों में शिवम दुबे ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 8 गेंदों में 26 रन ठोक दिए, जिससे भारत का स्कोर 255 तक पहुंच गया। न्यूजीलैंड की ओर से जेम्स नीशम ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए।

न्यूजीलैंड की शुरुआत से ही लड़खड़ाई पारी

256 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अक्षर पटेल और जसप्रीत बुमराह की घातक गेंदबाजी ने कीवी टीम के शीर्ष क्रम को जल्दी ही झकझोर दिया।अक्षर पटेल ने फिन एलन और ग्लेन फिलिप्स को सस्ते में आउट किया, जबकि बुमराह ने रचिन रवींद्र को जल्दी पवेलियन भेज दिया। 72 रन तक न्यूजीलैंड के पांच विकेट गिर चुके थे, जिससे टीम दबाव में आ गई।टिम सीफर्ट ने 52 रन बनाकर कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन बाकी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके। अंत में जसप्रीत बुमराह ने तीन विकेट झटकते हुए न्यूजीलैंड को 159 रन पर समेट दिया।

'कानून ताक पर रखकर हुआ समिति का गठन'

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

- जालना जिला योजना समिति पर हाईकोर्ट का डंडा
- पंकजा मुंडे और सरकार को नोटिस जारी

जालना जिला योजना समिति (DPC) के गठन को लेकर कानूनी विवाद खड़ा हो गया है। मुंबई उच्च न्यायालय की औरंगाबाद खंडपीठ ने इस मामले में राज्य सरकार की मंत्री और जालना जिले की पालक मंत्री पंकजा मुंडे सहित अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जालना जिले की प्रभारी (पालक) मंत्री पंकजा मुंडे इस समय कानूनी घेरे में हैं। स्थानीय कार्यकर्ता भाऊसाहेब गोरे द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विभा कंकनवाड़ी और न्यायमूर्ति हितेन वेनेगावकर की खंडपीठ ने 4 मार्च को सरकार और संबंधित मंत्रियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

पूर्व सदस्य ने ही खोली 'पोल'

दिलचस्प बात यह है कि याचिकाकर्ता भाऊसाहेब गोरे खुद 22 अगस्त 2024 के सरकारी आदेश के तहत इस समिति के 'विशेष आमंत्रित सदस्य' रह चुके हैं। कार्यकाल खत्म होने के बाद उन्होंने दावा किया कि उन्हें अब पता चला है कि पूरी समिति का ढांचा ही कानूनी रूप से गलत था, जिसके बाद उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया।

'कानून का उल्लंघन और पैसों की हेराफेरी'

याचिकाकर्ता का मुख्य आरोप है कि इस समिति का गठन नियमों को ताक पर रखकर किया गया है। आरोप यह भी है कि इस 'अवैध' समिति के माध्यम से सरकारी धन का आवंटन उन कामों के लिए किया जा रहा है, जो निर्धारित उद्देश्यों से मेल नहीं खाते। यानी जनता के पैसे का इस्तेमाल गलत तरीके से करने का दावा किया गया है।

कोर्ट की 'वेट एंड वॉच' नीति

हाईकोर्ट ने फिलहाल समिति द्वारा अब तक लिए गए फैसलों या खर्च किए गए पैसों पर कोई रोक नहीं लगाई है और न ही कोई टिप्पणी की है। अदालत ने साफ किया कि इस शुरुआती चरण में वह केवल यह जांच करेगी कि समिति की 'बनावट' (Structure) कानूनी प्रावधानों के अनुसार है या नहीं। अदालत ने सरकारी आदेशों का अवलोकन करने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए अगली सुनवाई 1 अप्रैल को तय की है।

ये हमारे हीरो नहीं हो सकते...!

भारत ने विश्व कप जीत कर एक अच्छा काम किया है। इसके लिए पूरे देश को बधाई। जो गलत प्रचार से बचते हैं, उन्हें हीरो माना जा सकता हैं...! पर, गुटखा बेचने और सट्टेबाजी का प्रचार करने वाले क्रिकेटर हमारे हीरो नहीं हो सकते! जो समाज को गलत दिशा में ले जाए, वह हीरो कैसे हो सकता है? हीरो वह होता है जो लोगों को सही रास्ता दिखाए और युवाओं को बेहतर जीवन जीने की प्रेरणा दे। लेकिन जब कोई प्रसिद्ध चेहरा पैसे के लालच में ऐसे उत्पादों और प्लेटफॉर्म का प्रचार करने लगे जो समाज के लिए हानिकारक हों, तो उसकी छवि एक आदर्श की नहीं, बल्कि एक लालची और गैर-जिम्मेदार व्यक्ति की बन जाती है।

अरुण लाल
arunlal.y@gmail.com

दायित्वनामा

ऐसे समय में फुटबॉल स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो का उदाहरण इन सेलिब्रिटीज के लालची और कपटी चेहरे से नकाब खींच देता है। क्रिकेट और फिल्म सितारे आज भारत के युवाओं के दिलों पर राज करते हैं। उनका जीवन और उनके फैसले लाखों लोगों को प्रभावित करते हैं। हर युवा उनके जैसा बनना चाहता है और उनकी शैली अपनाना चाहता है। लेकिन दुख की बात यह है कि इस लोकप्रियता के साथ आने वाली जिम्मेदारी को कई सेलिब्रिटी समझ नहीं पा रहे हैं। इन सितारों का प्रभाव इतना अधिक है कि उनका एक विज्ञापन लाखों युवाओं की सोच को बदल देता है। यही कारण है कि कंपनियां उन्हें करोड़ों रुपये देकर अपने उत्पादों का प्रचार करवाती हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ पैसे के लिए किसी भी चीज का प्रचार करना सही है? आज हम देखते हैं कि कई बड़े फिल्म सितारे पान मसाला और इलायची जैसे उत्पादों के विज्ञापनों में दिखाई देते रहे हैं। शाहरुख खान, अजय देवगन और अक्षय कुमार जैसे बड़े नाम ऐसे विज्ञापनों से जुड़े रहे हैं। ये ऐसे उत्पाद हैं जिनके सेवन से स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ता है। सरकार और स्वास्थ्य विशेषज्ञ लगातार इनसे दूर रहने की सलाह देते हैं, लेकिन इसके बावजूद इनका प्रचार जारी है। क्रिकेटरों को खास तौर पर बच्चों और युवाओं का 'रोल मॉडल' माना जाता है, लेकिन आज कई खिलाड़ी जुए और ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े प्लेटफॉर्म का प्रचार करते नजर आते रहे हैं। उदाहरण के तौर पर एम.एस. धोनी, रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या, ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह जैसे लोकप्रिय खिलाड़ी फैंटेसी गेमिंग प्लेटफॉर्म के विज्ञापनों में दिखाई देते रहे हैं। इसी तरह सौरव गांगुली, शुभमन गिल और रुतुराज गायकवाड़ भी ऐसे प्लेटफॉर्म के प्रचार से जुड़े रहे हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन सेलिब्रिटीज के पास पैसे की कोई कमी नहीं है। वे पहले से ही करोड़ों रुपये कमा चुके हैं और शानदार जीवन जी रहे हैं। इसके बावजूद वे लालच में ऐसे उत्पादों और प्लेटफॉर्म का प्रचार करते हैं जो समाज को गलत रास्ते पर ले जा सकते हैं। जब युवा अपने पसंदीदा सितारों को ऐसे विज्ञापनों में देखते हैं, तो उनके मन में यह संदेश जाता है कि यह सामान्य और स्वीकार्य है।

इसके विपरीत, दुनिया में ऐसे उदाहरण भी हैं जहां खिलाड़ियों ने अपनी जिम्मेदारी को समझा है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो का उदाहरण बहुत प्रसिद्ध है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनके सामने टेबल पर कोका-कोला की बोतलें रखी थीं। कंपनी इसके लिए करोड़ों रुपये देने को तैयार थी, लेकिन रोनाल्डो ने उन बोतलों को हटाकर कहा कि यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। उन्होंने पानी की बोतल उठाई और लोगों से कहा – "ड्रिंक वाटर।" यह घटना दिखाती है कि अगर कोई बड़ा खिलाड़ी चाहे, तो वह समाज को सही संदेश भी दे सकता है। हम यहां यह कहना अपना दायित्व समझते हैं कि देश को सट्टेबाजी और गुटखे की ओर ले जाने वाले हमारे हीरो नहीं हो सकते। हो सकता है कि बहुत से लोगों को इन कथित हीरोज़ का अपमान बुरा लग रहा हो, पर हमारी पत्रकारिता में ये हीरो नहीं हो सकते। ये लालची और स्वार्थी लोग हैं, जो जनता का स्नेह पाने के बाद भी उन्हें ठग रहे हैं।

ब्रीफ न्यूज़

सीएम फडणवीस ने किया 'डबल-डेकर' फ्लाईओवर का उद्घाटन

मुंबई/पुणे। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के विशेष अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पुणे वासियों को यातायात की बड़ी सौगात देते हुए यूनिवर्सिटी चौक पर निर्मित 'डबल-डेकर' फ्लाईओवर का वर्चुअली उद्घाटन किया। लगभग 277 करोड़ रुपये की लागत से पीएमआरडीए (PMRDA) द्वारा तैयार यह ब्रिज अपनी आधुनिक इंजीनियरिंग के लिए खास है, जिसमें पहले स्तर पर वाहनों के लिए फ्लाईओवर और दूसरे स्तर पर मेट्रो लाइन का प्रावधान किया गया है। इस उद्घाटन के दौरान उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल की उपस्थिति रही, जहाँ सीएम ने इस परियोजना में अजित पवार के योगदान को भी सराहा। गणेशखिंड रोड पर स्थित इस ब्रिज के खुलने से अब बानेर, पाषाण, शिवाजीनगर और औंध जैसे व्यस्त इलाकों में लगने वाले भारी ट्रैफिक जाम से जनता को स्थायी राहत मिलेगी और सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी (SPPU) के पास आवागमन बेहद सुगम हो जाएगा।

सऊदी अरब में रिहायशी इलाके पर मिसाइल हमला

नई दिल्ली। सऊदी अरब के एक रिहायशी इलाके में रविवार को मिसाइल गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। यह घटना अल-खारज शहर में उस समय हुई जब एक मिसाइल रखरखाव और सफाई कंपनी के आवासीय परिसर पर गिर गई। सऊदी नागरिक सुरक्षा विभाग के अनुसार, मृतकों में एक भारतीय और एक बांग्लादेशी नागरिक शामिल हैं, जबकि घायल हुए सभी 12 लोग बांग्लादेश के नागरिक बताए गए हैं। सऊदी नागरिक सुरक्षा महानिदेशालय ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही राहत और बचाव दल मौके पर पहुंच गया। मिसाइल गिरने से परिसर में भारी नुकसान हुआ है और कई लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

पकड़ा गया जालसाज

- खुद को अमित शाह का निजी सचिव बताकर करता था ठगी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई क्राइम ब्रांच ने एक हाई-प्रोफाइल जालसाजी का पर्दाफाश करते हुए 41 वर्षीय मोहम्मद तारिक पठान को गिरफ्तार किया है। आरोपी खुद को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का निजी सचिव (पवन कुमार यादव) बताकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को फोन करता था। खेड़ के रहने वाले इस आरोपी को क्राइम ब्रांच ने वाशी स्थित एपीएमसी मार्केट के पास एक होटल से दबोचा। वह पुलिस जांच और कानूनी प्रक्रियाओं को प्रभावित करने के लिए गृह मंत्रालय के नाम का इस्तेमाल कर रहा था।

ऐसे देता था असली कॉल का झांसा?

जांच में सामने आया है कि आरोपी पठान बेहद शातिर तरीके से अपनी पहचान छिपाता था। वह अलग-अलग राज्यों से दूसरों के नाम पर सिम कार्ड खरीदता था और अपनी पहचान पुख्ता करने के लिए एक फोन में दूसरे नंबर को 'PS to MHA' के नाम से सेव रखता था।

वारंट रोकने को दिल्ली पुलिस को फोन

आरोपी की गुस्ताखी का एक मामला 1 मार्च को सामने आया, जब उसने कनॉट प्लेस (दिल्ली) के एक पुलिस अधिकारी को फोन किया। उक्त अधिकारी एक महिला को वारंट तामील कराने के लिए मुंबई के ग्रांट रोड आए हुए थे। पठान ने खुद को मंत्री का सहायक बताते हुए अधिकारी पर दबाव बनाया कि वह महिला को परेशान न करे।

अवैध वसूली और फर्जीवाड़े की विस्तृत जांच शुरू

पुलिस को संदेह है कि मोहम्मद तारिक पठान ने इसी तरह कई अन्य आपराधिक मामलों में हस्तक्षेप किया है और कानूनी राहत दिलाने के नाम पर लोगों से मोटी रकम वसूली है। वह पकड़े जाने से बचने के लिए लगातार अपने मोबाइल हैंडसेट और सिम कार्ड बदलता रहता था।

अस्पताल को उड़ाने की धमकी

- रविवार शाम 4 बजे धमाके की थी चेतावनी
- सघन तलाशी में पुलिस को कुछ नहीं मिला।

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

एक प्रमुख अस्पताल में रविवार की शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब एक अज्ञात ईमेल के जरिए अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों और मुंबई पुलिस की मुस्तैदी के कारण किसी भी अप्रिय घटना को टाल दिया गया और जांच में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस के अनुसार, अस्पताल प्रशासन को यह धमकी भरा ईमेल शनिवार रात करीब 11 बजे मिला था। इसमें दावा किया गया था कि रविवार शाम 4 बजे अस्पताल को बम से उड़ा दिया जाएगा। ईमेल देखते ही प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए और तुरंत पुलिस को सूचित किया गया।

मरीजों और स्टाफ में दहशत का माहौल

जैसे ही अस्पताल के अंदर इस धमकी की बात फैली, मरीजों के परिजनों और वहां काम करने वाले स्टाफ में डर बैठ गया। हालांकि, पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए सभी को धैर्य रखने की सलाह दी और सुरक्षा का घेरा कड़ा कर दिया। सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस का बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (BDDS) हरकत में आया। आधुनिक उपकरणों और खोजी कुत्तों (Dog Squad) की मदद से अस्पताल की हर मंजिल, वार्ड और पार्किंग की गहन तलाशी ली गई। कई घंटों की मशक्कत के बाद पुलिस ने पुष्टि की कि वहां कोई भी विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु नहीं है।

आतंक जैश-ए-मोहम्मद के डिजिटल जाल में फंसा छात्र, अयान शेख ने कबूला जुर्म

ऑनलाइन कट्टरपंथ के डिजिटल मॉडल का खुलासा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र एटीएस (ATS) की गिरफ्त में आए 21 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र अयान यूसुफ शेख ने पूछताछ में ऑनलाइन कट्टरपंथ के एक खतरनाक और डिजिटल मॉडल का खुलासा किया है। जैश-ए-मोहम्मद और ISIS जैसे आतंकी संगठनों से संबंधों के आरोप में पकड़ा गया यह छात्र सोशल मीडिया के जरिए किस तरह गुमराह हुआ, इसकी परतें अब धीरे-धीरे खुल रही हैं। कंप्यूटर साइंस का छात्र होने के नाते अयान तकनीक का जानकार था। एटीएस के अनुसार, वह पिछले 6-7 महीनों से टेलीग्राम के उन एन्क्रिप्टेड चैनलों में सक्रिय था, जहाँ पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद के सदस्य फर्जी नामों से नफरत फैला रहे थे। इन ग्रुप्स में दुनिया भर के लोग शामिल थे, जो कट्टरपंथी विचारधारा को बढ़ावा देते थे।

छोटे-छोटे टुकड़ों में 'जहर' का डोज

अयान ने कबूला कि नफरत फैलाने वाला कंटेंट पहले छोटे और आसान टुकड़ों में आता था, ताकि कोई शक न करे। धीरे-धीरे उसे ऐसे ग्रुप्स में शामिल किया गया जहाँ हिंसा को 'समुदाय की रक्षा' के नाम पर सही ठहराया जाता था। अयान ने न केवल खुद इसे अपनाया, बल्कि अपने करीबी दोस्तों के साथ भी साझा करना शुरू कर दिया था।

भावनाओं से 'खिलवाड़' और ब्रेनवॉश

जांच में पता चला है कि अयान को कश्मीर, म्यांमार, फिलिस्तीन और यूरोपीय देशों में मुस्लिम समुदायों के कथित उत्पीड़न के वीडियो और ऑडियो संदेश दिखाए जाते थे। एटीएस ने इसे 'घृणा अपराध के माध्यम से मस्तिष्क-प्रचार' (Brainwashing via Hate Crime) का मॉडल बताया है, जिसमें धार्मिक भावनाओं को भड़काकर युवाओं को ऑफलाइन हिंसा के लिए तैयार किया जाता है। इन ग्रुप्स में होने वाली चर्चाओं में यह दावा किया जाता था कि जैश-ए-मोहम्मद वैश्विक स्तर पर समुदाय की रक्षा कर रहा है। अयान इन संदेशों से इतना प्रभावित था कि वह सजा और प्रतिशोधात्मक (बदला लेने वाली) कार्रवाई से जुड़े पोस्ट पर अक्सर आक्रामक प्रतिक्रिया देता था।

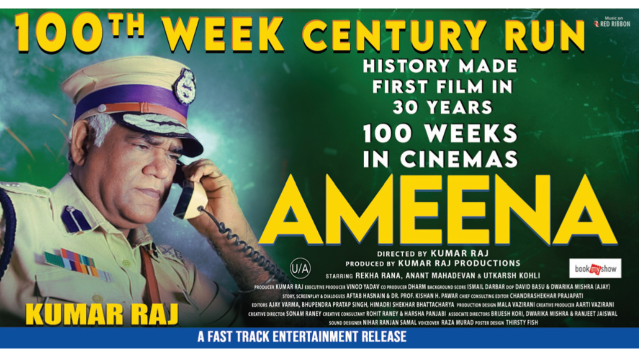

कल्याण-डोंबिवली पालिका में स्थायी समिति पद को लेकर सियासी खींचतान

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में स्थायी समिति के सभापति पद को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। महापौर पद अपने पास रखने वाली शिवसेना (एकनाथ शिंदे) गुट अब अपनी मजबूत संख्या के दम पर भाजपा को स्थायी समिति सभापति पद से दूर रखने की कोशिश में जुटा है। पिछले दो दिनों से इसको लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। चर्चा है कि नवी मुंबई महानगरपालिका में वन मंत्री गणेश नाईक द्वारा शिवसेना शिंदे गुट को सत्ता में शामिल होने से रोके जाने के बाद अब उसका असर कल्याण-डोंबिवली की राजनीति में

दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि शिंदे गुट भाजपा को स्थायी समिति सभापति पद से दूर रखकर इस राजनीतिक टकराव का जवाब देना चाहता है।

राजनीतिक चालों पर सबकी नजर

महायुति के बावजूद पालिका की सत्ता में अहम पदों को लेकर दोनों दलों के बीच खींचतान जारी है। बताया जा रहा है कि शिवसेना शिंदे गुट मनसे और अन्य नगरसेवकों का समर्थन लेकर भाजपा को स्थायी समिति और अन्य समितियों के पदों से दूर रखने की रणनीति बना रहा है। वहीं भाजपा नेता भी इस पूरे घटनाक्रम पर करीबी नजर बनाए हुए हैं।

संख्या बल बढ़ाने की कोशिश

वर्तमान में कल्याण-डोंबिवली पालिका में शिवसेना शिंदे गुट के 53 नगरसेवक, मनसे के 5 और राष्ट्रवादी का 1 नगरसेवक मिलाकर कुल 59 का समर्थन है। चर्चा है कि ठाकरे गुट के तीन बागी नगरसेवकों को भी अपने साथ लाकर यह संख्या 62 तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है, ताकि स्थायी समिति में अपना दबदबा बनाया जा सके।

भाजपा भी सक्रिय

दूसरी ओर भाजपा के पास 50 नगरसेवक हैं और पार्टी का मानना है कि महायुति के तहत महापौर पद शिवसेना को मिलने के बाद अब स्थायी समिति सभापति पद भाजपा को मिलना चाहिए। इसी मुद्दे पर भाजपा नेताओं ने बैठक भी की और पार्टी नेतृत्व से यह पद दिलाने की मांग की है।

नारी शक्ति का विश्व विजय

9,111 महिलाओं ने लेझीम वादन में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, सांगली का रिकॉर्ड टूटा

डीबीडी संवाददाता | डोंबिवली

डोंबिवली के लिए रविवार का दिन इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षरों से दर्ज हो गया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर डोंबिवली और कल्याण की 9,111 महिलाओं और छात्राओं ने एक साथ 'लेझीम' खेलकर विश्व रिकॉर्ड (World Record) बनाया है। ढोल-ताशों की गूंज और लेझीम की खनक के बीच डोंबिवली ने सांगली का पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के अधिकारी स्वप्नील डांगरेकर ने घोषणा की कि इससे पहले यह रिकॉर्ड महाराष्ट्र के सांगली के नाम था, जहाँ 7,338 महिलाओं ने हिस्सा लिया था। लेकिन रविवार को डोंबिवली के श्री संत सावळाराम क्रीडा संकुल मैदान में 9,111 प्रतिभागियों ने एक साथ उतरकर इस पुराने रिकॉर्ड को बड़े अंतर से पीछे छोड़ दिया।

मैदान पर मौजूद हजारों छात्राओं और महिलाओं ने लगभग साढ़े पांच मिनट तक लेझीम के विभिन्न प्रात्यक्षिक (Demonstrations) दिखाए। तालमेल इतना सटीक था कि लेझीम की आवाज और ढोल की थाप पूरे डोंबिवली में सुनाई दे रही थी। इस प्रदर्शन के बाद स्वप्नील डांगरेकर ने विधायक रविंद्र चव्हाण की पत्नी सुहासिनी चव्हाण को विश्व रिकॉर्ड का पदक और प्रमाणपत्र सौंपा। विधायक रविंद्र चव्हाण ने इस मौके पर भावुक होते हुए कहा कि लेझीम हमारी संस्कृति की आत्मा है। उन्होंने इस उपलब्धि को 'भारत माता' को समर्पित किया और कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शारीरिक व्यायाम और सशक्त भारत के विजन का ही एक हिस्सा है।

'सांस्कृतिक परिवार' की एकजुटता

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में 'डोंबिवलीकर एक सांस्कृतिक परिवार' और 'कल्याण तालुका शारीरिक शिक्षण समिति' ने दिन-रात एक कर दिया। ठाणे जिले के सैकड़ों स्कूलों के शिक्षकों और विद्यार्थियों की मेहनत ने आज डोंबिवली का नाम दुनिया के नक्शे पर चमका दिया है। जैसे ही रिकॉर्ड की आधिकारिक घोषणा हुई, पूरा मैदान 'भारत माता की जय', 'जय श्रीराम' और 'वंदे मातरम्' के नारों से गूँज उठा। सुबह से ही इस पल का इंतजार कर रहे डोंबिवलीकरों ने तालियों और उत्साह के साथ अपनी 'लेझीम वीरांगनाओं' का स्वागत किया।

फ्लैट के नाम पर 9 लाख की ठगी

डीबीडी संवाददाता | डोंबिवली

महिला ने बिल्डर के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

डोंबिवली में अंधेरी की एक महिला ने टिटवाला में निर्माणाधीन इमारत में फ्लैट खरीदने के लिए 36 लाख रुपए का सौदा किया था। महिला ने इसमें से 9 लाख रुपए अपने बैंक खाते से बिल्डर को दिए थे, लेकिन चार साल बीतने के बाद भी फ्लैट का पंजीकरण नहीं हुआ और पैसे भी वापस नहीं मिले।

परेशान होकर महिला ने बिल्डर और एक बिचौलिए के खिलाफ टिटवाला पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता महिला का नाम नाहिद अंजुम वसीम शेख है, जो अंधेरी के मरोल इलाके में अपने परिवार के साथ रहती हैं। नए घर की तलाश में रहने के दौरान उनके पति के मित्र

ने उन्हें अंबरनाथ के बिल्डर विवेक श्रीवास्तव से मिलवाया। बिल्डर ने टिटवाला के आंबिवली-गालेगांव इलाके में अपने 'लैपोमोडे' हाउसिंग प्रोजेक्ट में फ्लैट दिखाया और दिसंबर 2023 तक निर्माण पूरा होने का भरोसा दिया।

9 लाख रुपए का भुगतान

शेख परिवार ने दो बेडरूम का फ्लैट खरीदने का फैसला किया, जिसकी कीमत 36 लाख रुपए तय हुई। फ्लैट बुक करने के लिए परिवार ने 9 लाख रुपए बिल्डर के खाते में चेक के जरिए जमा किए। इसमें से 5 लाख रुपए की रसीद बिल्डर ने दी, जबकि बाकी 4 लाख रुपए की रसीद बिचौलिए के पास होने की बात कही जा रही है, जो अब देने में टालमटोल कर रहा है।

रजिस्ट्रेशन में लगातार टालमटोल

महिला का आरोप है कि पैसे लेने के बाद बिल्डर ने फ्लैट का रजिस्ट्रेशन कराने में लगातार बहाने बनाने शुरू कर दिए। रजिस्ट्रेशन न होने के कारण बैंक से होम लोन भी नहीं मिल पा रहा है। जब महिला ने पैसे वापस मांगे तो बिल्डर ने कथित तौर पर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया।

प्रोजेक्ट रेरा में भी दर्ज नहीं

महिला ने जांच की तो पता चला कि जिस हाउसिंग प्रोजेक्ट में फ्लैट खरीदा गया, वह महाराष्ट्र रेरा में पंजीकृत ही नहीं है और निर्माण कार्य भी अधूरा पड़ा है। रसीदें न मिलने और फ्लैट का पंजीकरण न होने से ठगी का शक होने पर महिला ने टिटवाला पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिंधुदुर्ग में मेघगर्जना के साथ हल्की बारिश की संभावना

डीबीडी संवाददाता | सिंधुदुर्ग

जिले में सोमवार को मौसम बदलने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार जिले में हवा की रफ्तार बढ़ने के साथ मेघगर्जना और हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है। इस संबंध में प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र, कुलाबा (मुंबई) और ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, मुळदे (कुडाल) की ओर से मौसम पूर्वानुमान जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक बिहार से झारखंड होते हुए दक्षिण छत्तीसगढ़ तक हवा के कम दबाव का एक पट्टा बना हुआ है। इसके साथ ही मन्नार की खाड़ी के ऊपर समुद्र सतह से करीब 0.9 किलोमीटर ऊंचाई पर

चक्राकार हवाओं की स्थिति बनी हुई है।

इन मौसम प्रणालियों का असर मुख्य रूप से कोंकण तटीय क्षेत्र और आसपास के इलाकों में देखने को मिल सकता है। इसी कारण सिंधुदुर्ग जिले में मौसम अचानक बदलने की संभावना जताई गई है।

घाट क्षेत्रों में ज्यादा असर

बताया गया है कि बंगाल की खाड़ी से बने इस मौसम परिवर्तन का प्रभाव जिले के पूर्वी घाट क्षेत्रों में ज्यादा महसूस किया जा सकता है। इन इलाकों में हल्की बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना अधिक है। बारिश के दौरान हवा की रफ्तार बढ़ सकती है, इसलिए नागरिकों और किसानों से सावधानी बरतने की अपील की गई है। खेतों में काम करने वाले किसानों को मौसम को ध्यान में रखते हुए जरूरी एहतियात बरतने की सलाह दी गई है।

गर्भवती महिला की अस्पताल-दर-अस्पताल दौड़

डीबीडी संवाददाता | डहाणू

डहाणू में महिला दिवस के दिन एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। वडकुन गांव की रहने वाली गर्भवती महिला दर्शना सर्जन माच्छी को 7 मार्च की रात करीब साढ़े दस बजे प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिवार के लोग उन्हें तुरंत डहाणू के उपजिला अस्पताल (कॉटेज अस्पताल) लेकर पहुंचे। लेकिन वहां से शुरू हुई परेशानी की लंबी दौड़ ने पूरे परिवार को रातभर परेशान कर दिया।

परिवार का कहना है कि दर्शना माच्छी पिछले नौ महीनों से इसी सरकारी अस्पताल में इलाज करा रही थीं। लेकिन जब प्रसव

का समय आया तो अस्पताल में डॉक्टर मौजूद नहीं थे। करीब एक घंटे तक इंतजार कराने के बाद अस्पताल के कर्मचारियों ने उन्हें धुंदलवाड़ी के वेदांत अस्पताल जाने की सलाह दे दी। इस बीच 108 एम्बुलेंस के लिए संपर्क किया गया, लेकिन उसके आने में दो से ढाई घंटे लगने की बात कही गई।

मददगार बनी आंगनवाड़ी सेविका

स्थिति बिगड़ती देख साथ मौजूद आंगनवाड़ी सेविका शोभा माच्छी ने पहल की और गर्भवती महिला को निजी अस्पताल ले जाने का फैसला किया। परिवार पहले सेवा हॉस्पिटल और फिर मसोली के तिवारी अस्पताल पहुंचा, लेकिन वहां भी रात में डॉक्टर उपलब्ध नहीं थे। इससे परिवार की परेशानी और बढ़ गई।

आखिर मिला इलाज

लगातार भटकने के बाद आखिरकार रात करीब दो बजे श्रद्धा नर्सिंग होम में महिला को भर्ती किया गया। डॉक्टरों ने तुरंत प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद 8 मार्च की सुबह करीब 7 बजे महिला का सुरक्षित प्रसव कराया गया। फिलहाल मां और नवजात दोनों स्वस्थ हैं, लेकिन पूरी रात की इस भागदौड़ ने परिवार को मानसिक और शारीरिक रूप से काफी परेशान किया।

जांच के आदेश

इस घटना से ग्रामीण इलाकों की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। आंगनवाड़ी सेविका शोभा माच्छी ने कहा कि अगर महिला दिवस के दिन भी गर्भवती महिलाओं को ऐसी परेशानी झेलनी पड़े, तो यह गंभीर चिंता का विषय है। वहीं, जिला शल्य चिकित्सक रामदास मराड ने बताया कि मामले की जांच के लिए जिला स्तर पर समिति गठित की जाएगी और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सड़क किनारे बैग में मिली नवजात बच्ची, महिला पर मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता | वसई

वसई में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। रविवार सुबह एक महिला नवजात बच्ची को बैग में डालकर सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गई। जानकारी के अनुसार वसई पूर्व के वसंत नगरी सिग्नल के पास सड़क पर कुछ राहगीरों को एक बैग में नवजात बच्ची पड़ी दिखाई दी। सुबह करीब 7.30 बजे यह मामला सामने आया, जिसके बाद तुरंत

इसकी सूचना माणिकपुर पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को अपने संरक्षण में लिया।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

घटना के बाद पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन बच्ची के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी। इस मामले में माणिकपुर पुलिस थाने में अज्ञात महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

अस्पताल में कराया गया इलाज

पुलिस ने नवजात बच्ची को तुरंत वसई-विरार महानगरपालिका के सर डी. एम. पेटिट अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार बच्ची की उम्र लगभग 15 से 20 दिन बताई जा रही है और उसकी हालत फिलहाल स्थिर है। आगे की देखभाल के लिए बच्ची को उमराले स्थित बाल कल्याण समिति को सौंप दिया गया है।

पालतू कुत्ते पर बेरहमी, डंडे से पीटने से एक आंख की गई रोशनी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

घाटकोपर इलाके में पशु क्रूरता का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पालतू दुकान के कर्मचारी ने कथित तौर पर शीह त्जू नस्ल के कुत्ते को लकड़ी के डंडे से पीट दिया, जिससे उसकी एक आंख की रोशनी हमेशा के लिए चली गई। इस मामले में पंत नगर पुलिस ने आरोपी कर्मचारी मुकेश द्विवेदी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता धार्मिक जतिन शाह (35) घाटकोपर पूर्व के निवासी हैं और गरोड़िया नगर स्थित गरोड़िया शॉपिंग सेंटर में 'रोमियो पेट स्टोर' नाम से पालतू जानवरों की दुकान चलाते हैं। इस दुकान में पालतू जानवरों के लिए भोजन, सामान और अस्थायी देखभाल की सुविधा भी उपलब्ध है। दुकान में जानवरों की देखभाल के लिए पांच कर्मचारी काम करते थे, जिनमें मुकेश द्विवेदी, जितेंद्र पटेल, आस्था बदरा, भूपन और अंजना तावडे शामिल हैं।

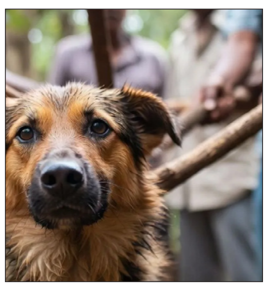

इलाज और पुलिस कार्रवाई

घायल कुत्ते को तुरंत परेल स्थित बाई सकरबाई दिनशॉ पेटिट पशु अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे दादर के पशु नेत्र अस्पताल में दिखाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि कुत्ते की बाईं आंख को स्थायी नुकसान हुआ है और शल्य चिकित्सा की सलाह दी। इसके बाद धार्मिक शाह ने पंत नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मुकेश द्विवेदी के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11(1)(सी) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 325 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कुत्तों को अस्थायी देखभाल के लिए रखा गया

1 मार्च से 4 मार्च के बीच धार्मिक शाह के परिचित डॉ. निकुंज शाह ने अपने दो शीह त्ज़ू कुत्तों को कुछ दिनों के लिए दुकान में रखने का अनुरोध किया था। 1 मार्च की शाम करीब 4:30 बजे दुकान का एक कर्मचारी डॉ. शाह के घर से दोनों कुत्तों को लेकर आया और उनकी देखभाल दुकान के कर्मचारियों को सौंप दी गई। 3 मार्च की रात करीब 8:30 बजे दुकान के एक कर्मचारी ने धार्मिक शाह को फोन कर बताया कि एक कुत्ते की बाईं आंख में गंभीर चोट लगी है। जब उन्होंने दुकान पहुंचकर पूछताछ की तो पता चला कि मुकेश द्विवेदी ने कुत्ते को लकड़ी के डंडे से मारा था। दुकान के सीसीटीवी फुटेज में भी देखा गया कि शाम 7:30 से 8 बजे के बीच कुत्ता भौंकने लगा, जिसके बाद आरोपी ने उसे डंडे से पीट दिया।

ओला टैक्सी चालक की हत्या का पर्दाफाश

चार दिन बाद शव मिला, आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां ओला टैक्सी चालक की हत्या के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आदर्श चंद्रकांत भालेराव (टिटवाला निवासी) के रूप में हुई है, जबकि मृतक चालक का नाम नासिर अहमद बताया गया है। नासिर अहमद पिछले चार दिनों से लापता थे।

पुलिस के अनुसार नासिर अहमद नवी मुंबई के रबाले इलाके में रहते थे और ओला टैक्सी चालक के रूप में काम करते थे। ड्यूटी के दौरान घर वापस न लौटने पर परिवार ने रबाले पुलिस थाने में उनकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी।

घाट इलाके में मिला शव

शनिवार को मामले ने गंभीर मोड़ ले लिया, जब नासिर अहमद का शव अहमदनगर जिले के ओतूर थाना क्षेत्र में मालशेज घाट के पास बरामद हुआ। इसी दौरान उनकी ओला कार कल्याण-मुरबाड मार्ग पर गोविली गांव के पास जंगल में लावारिस हालत में मिली।

कार में मिले खून के निशान

पुलिस के अनुसार कार के अंदर भारी मात्रा में खून के धब्बे पाए गए हैं। इससे अंदेशा जताया जा रहा है कि चालक की हत्या कार के अंदर ही की गई और बाद में शव को घाट क्षेत्र में फेंक दिया गया। इसके बाद ठाणे ग्रामीण अपराध शाखा ने मामले की गहन जांच शुरू की। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संदीप गीते के नेतृत्व में पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी तक पहुंच बनाई। इसके बाद पुलिस ने टिटवाला से आदर्श भालेराव को गिरफ्तार कर लिया। उप पुलिस अधीक्षक अनिल लाड ने बताया कि हत्या के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं है और मामले की आगे जांच जारी है।

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी जोरदार टक्कर, दो युवकों की मौके पर मौत

डीबीडी संवाददाता | लातूर

उदगीर-लातूर राज्य मार्ग पर करडखेल और नर्सिंगवाडी पाटी के बीच शनिवार रात भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। इस मामले में रविवार 8 मार्च को सुबह करीब 11 बजे उदगी र ग्रामीण पुलिस थाने में कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मृतकों की पहचान गौतम ज्ञानोबा कांबले (25 वर्ष) और सुनील नागोराव कांबले, दोनों निवासी लोहारा, तहसील उदगीर के रूप में हुई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार 7 मार्च की रात करीब साढ़े आठ बजे गौतम कांबले अपने मित्र सुनील कांबले के साथ हीरो होंडा पैशन प्रो (क्रमांक MH-24 AE-8998)

मोटरसाइकिल से करडखेल से नर्सिंगवाडी पाटी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान लातूर की दिशा से तेज रफ्तार में आ रही रेनॉल्ट कंपनी की विटकरी रंग की कार (क्रमांक MH-24 BL-0867) ने सामने से बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

इस संबंध में राहुल ज्ञानोबा कांबले, निवासी लोहारा, तहसील उदगीर की शिकायत पर कार चालक के खिलाफ तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाकर दुर्घटना करने का मामला दर्ज किया गया है।

दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम उदगीर के सामान्य अस्पताल में रविवार दोपहर तक किया जा रहा था। मामले की आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक लोखंडे कर रहे हैं।

सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ जंग

9 लाख से अधिक लड़कियों का होगा मुफ्त टीकाकरण

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुंबई में एक महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य अभियान का शुभारंभ किया। इस पहल के तहत राज्य की 9 से 14 वर्ष की आयु की लगभग 9 लाख 84 हजार लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए HPV (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) वैक्सीनेशन और 'पिंक OPD' कैंपेन लॉन्च किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 'प्रिवेंशन इज बेटर देन क्योर' के सिद्धांत पर जोर देते हुए कहा कि बदलती जीवनशैली और बढ़ते तनाव के बीच कैंसर जैसी बीमारियों से बचाव के लिए समय पर टीकाकरण और जांच अनिवार्य है। डिप्टी सीएम ने अपने संबोधन में पिछली स्वास्थ्य योजनाओं की सफलता का जिक्र करते हुए बताया कि 'माता सुरक्षित, परिवार सुरक्षित' पहल के तहत 3 करोड़ महिलाओं की स्क्रीनिंग की गई थी, जिसमें 10 हजार महिलाओं में शुरुआती चरण में ही कैंसर का पता चलने से उनकी जान बचाई जा सकी। वर्तमान में, आठ अत्याधुनिक मैमोग्राफी मोबाइल वैन के जरिए गांवों में अब तक 2.91 करोड़ महिलाओं की जांच पूरी हो चुकी है। सरकार ने संकेत दिए हैं कि आवश्यकता पड़ने पर जिला नियोजन समिति (DPDC) और राज्य के स्वास्थ्य बजट से फंड आवंटित कर इन वैनों की संख्या और बढ़ाई जाएगी।

हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए ग्लोबल फंडिंग और PPP मॉडल पर जोर

राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं को विश्वस्तरीय बनाने के लिए सरकार पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल को मंजूरी दे चुकी है। शिंदे ने जानकारी दी कि कई अस्पतालों की इमारतों का काम 60-70 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जिन्हें 100 प्रतिशत तक ले जाने के लिए एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB) और वर्ल्ड बैंक से कम ब्याज दरों पर कर्ज लेने के निर्देश दिए गए हैं। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं को आम नागरिकों तक किफायती दरों पर पहुंचाना है।

'आरोग्य आपल्या दारी': घर-घर पहुंचेंगी स्वास्थ्य सेवाएं

हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे की जन्म शताब्दी के अवसर पर राज्य सरकार 'आरोग्य आपल्या दारी' (स्वास्थ्य आपके द्वार) का नया कॉन्सेप्ट लेकर आई है। शिंदे ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि उन्होंने राज्य की सीमा पर स्थित रंगुबेली जैसे दूर-दराज के आदिवासी गांवों का दौरा किया है, जहां आजादी के बाद कोई मंत्री नहीं पहुंचा था। इस अनुभव के आधार पर, सरकार अब दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक इलाज पहुंच सके।

चिकित्सा सहायता के लिए 450 करोड़ का प्रावधान और महिला सशक्तिकरण

मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए शिंदे ने बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान लगभग 80 हजार मरीजों को 450 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में यह सहायता आज भी निरंतर जारी है। इसके साथ ही उन्होंने 'मुख्यमंत्री माझी लाड़की बहिन योजना', 'लखपति दीदी' और ST बसों में महिलाओं को मिलने वाले 50 प्रतिशत डिस्काउंट जैसे ऐतिहासिक फैसलों को महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर बताया।

पीएम का आभार और स्वास्थ्य कर्मियों का सम्मान

एकनाथ शिंदे ने देश भर में सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ मुफ्त टीकाकरण शुरू करने के फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं का स्वास्थ्य ही परिवार और समाज की रीढ़ है। इस गरिमामयी समारोह के दौरान स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा देने वाली महिला डॉक्टरों, सर्जनों, नर्सों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। शिंदे ने स्वास्थ्य विभाग को 'सेवा-उन्मुख' बताते हुए कहा कि एक जान बचाना पूरे परिवार को बचाने के समान है।

संपत्ति कर वसूली के लिए सख्त हुई महानगरपालिका

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई महानगरपालिका ने संपत्ति धारकों से बकाया संपत्ति कर वसूलने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। कर न चुकाने वालों के खिलाफ जब्ती, अटकावणी और संपत्ति की नीलामी जैसी कार्रवाई की जा रही है। नागरिकों को कर भरने में आसानी हो, इसके लिए महानगरपालिका ने ऑनलाइन भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई है।

महानगरपालिका शहर में सड़क, पानी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, उद्यान और अन्य नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराती है। इन सेवाओं के लिए संपत्ति कर एक महत्वपूर्ण आय का स्रोत है। जकात समाप्त होने के बाद महानगरपालिका के पास संपत्ति कर और विकास योजना ही मुख्य आय के स्रोत बचे हैं, लेकिन अभी भी कई संपत्ति धारकों ने कर का भुगतान नहीं किया है।

सुविधा केंद्रों पर बढ़ाया गया समय

संपति कर भरने के लिए महानगरपालिका मुख्यालय सहित 26 विभागीय कार्यालयों के नागरिक सुविधा केंद्रों में व्यवस्था की गई है। हर शनिवार को ये केंद्र सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक खुले रहेंगे। वहीं 26, 27, 28 और 29 मार्च को सार्वजनिक और साप्ताहिक छुट्टियों के बावजूद केंद्र सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक खुले रखे जाएंगे।

महीने के अंत में देर रात तक सुविधा

महानगरपालिका प्रशासन ने 30 और 31 मार्च को संपति कर जमा करने के लिए नागरिक सुविधा केंद्रों को सुबह 8 बजे से रात 12 बजे तक खुले रखने का फैसला किया है। इससे करदाताओं को अंतिम दिनों में भी कर जमा करने की पर्याप्त सुविधा मिल सकेगी।

बकाएदारों पर नीलामी की कार्रवाई

लगातार नोटिस और याद दिलाने के बावजूद कर न भरने वाले संपत्ति धारकों के खिलाफ अब सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। महानगरपालिका ने जब्ती और अटकावणी की विशेष मुहिम शुरू की है। हाल ही में 34 संपत्तियों को ई-नीलामी प्रक्रिया के तहत नोटिस जारी किया गया है, जिनमें खाली भूखंड, व्यावसायिक इमारतें, होटल और मिश्रित उपयोग की संपत्तियां शामिल हैं। इन पर लगभग 548 करोड़ 69 लाख रुपये का बकाया कर लंबित है।

सिद्धार्थ नगर पत्रा चाल के 672 रहिवासियों का आंदोलन

वादे पूरे होने तक घर लेने से इनकार

मुंबई। गोरेगांव स्थित सिद्धार्थ नगर पत्रा चाळ के 672 रहिवासियों ने महाराष्ट्र गृहनिर्माण व क्षेत्रविकास प्राधिकरण (म्हाडा) के खिलाफ फिर आंदोलन शुरू कर दिया है। रहिवासी 6 मार्च से साखळी उपोषण पर बैठे हैं। उनका कहना है कि जब तक म्हाडा अपने लिखित आश्वासन पूरे नहीं करता, तब तक वे नए घरों का कब्जा नहीं लेंगे। सिद्धार्थ नगर गृहनिर्माण संस्था की विशेष आमसभा में यह प्रस्ताव पारित किया गया कि सभी मांगें पूरी होने तक घरों का ताबा नहीं लिया जाएगा। इसके बाद रहिवासियों ने सिद्धार्थ नगर के अंबामाता मंदिर परिसर में अनिश्चितकालीन साखळी उपोषण शुरू किया है।

इस दौरान विधायक सुनील प्रभू ने उपोषण स्थल पर पहुंचकर आंदोलनकारियों से मुलाकात की और विधानसभा में मुद्दा उठाने का भरोसा दिया।

म्हाडा पर वादाखिलाफी का आरोप

रहिवासियों का आरोप है कि म्हाडा ने वितरण पत्र में विकास करार और व्यक्तिगत करार करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। म्हाडा के उपाध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव जयस्वाल ने 1 सितंबर 2025 की बैठक में लिखित रूप से यह स्वीकार किया था कि पंजीकृत करार के बाद ही घरों का कब्जा दिया जाएगा, लेकिन अब जबरन ताबा देने की कोशिश की जा रही है।

उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार 672 में से अब तक केवल 350 फ्लैटों की ही जांच हो सकी है। जांच के दौरान कई खामियां सामने आई हैं। रहिवासियों का कहना है कि करार के अनुसार कार पार्किंग और इमारत के नक्शे भी उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। वहीं शेष 336 फ्लैटों की जांच अभी बाकी है।

मध्य रेल आरपीएफ ने पकड़ा 12.82 लाख का गांजा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने नशीले पदार्थों के सौदागरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तस्करी के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। दो अलग-अलग अभियानों में आरपीएफ ने 12.82 लाख रुपये कीमत का लगभग 43 किलोग्राम गांजा जब्त कर तस्करों के मंसूबों पर पानी फेर दिया।

6 फरवरी 2026 को नागपुर आरपीएफ की टीम ने स्टेशन पर चौकसी के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका। तलाशी लेने पर उसके दो बैगों से 24.80 किलोग्राम गांजे के 9 पैकेट निकले। आरोपी की पहचान मध्य प्रदेश के भिंड निवासी शाहिद खान के रूप में हुई है। वह इस खेप को ग्वालियर पहुँचाने की फिराक में था।

जब्त माल की कुल कीमत 12.82 लाख

नागपुर और कलबुरगी में किए गए दो अलग-अलग ऑपरेशन में पुलिस ने कुल 43 किलोग्राम गांजा जब्त किया है, जिसकी कुल अनुमानित कीमत 12.82 लाख बताई गई है। नागपुर ऑपरेशन में 3.72 लाख मूल्य का गांजा बरामद किया गया, जबकि कलबुरगी ऑपरेशन में 9.10 लाख कीमत का गांजा जब्त किया गया। पुलिस के अनुसार दोनों कार्रवाइयों में बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ पकड़ा गया है और मामले में आगे की जांच जारी है।

कलबुरगि में 'लावारिस' बैग से खुला राज

3 फरवरी 2026 को कलबुरगि स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी ने ट्रेन संख्या 11020 कोणार्क एक्सप्रेस में सर्च ऑपरेशन चलाया। कोच बी-1 में बर्थ संख्या 41 के नीचे एक लावारिस बैग मिला, जिसकी जांच करने पर 18.20 किलोग्राम गांजा (कीमत 9.10 लाख रुपये) बरामद हुआ।

ये दोनों अभियान आरपीएफ की सतर्कता और खुफिया तंत्र की मजबूती का परिणाम हैं। जहाँ नागपुर में तस्कर खुद गिरफ्त में आया, वहीं कलबुरगि में पुलिस की सक्रियता देख तस्कर माल छोड़कर भागने पर मजबूर हो गया।

सुनील तटकरे के खिलाफ पदाधिकारियों का सामूहिक इस्तीफा

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अजित पवार गुट के भीतर बड़ा संकट गहरा गया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे के कामकाज की शैली से नाराज होकर कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने एक के बाद एक इस्तीफे देना शुरू कर दिया है। इन इस्तीफों ने पार्टी के भीतर पनप रहे असंतोष और आंतरिक कलह को सार्वजनिक कर दिया है, जिससे राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। ताजा घटनाक्रम में म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एम्प्लॉइज ऑर्गनाइजेशन के प्रदेश अध्यक्ष गौतम खरात ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। खरात ने सुनील तटकरे पर सीधा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पार्टी में केवल कुछ

खास लोगों और उनके रिश्तेदारों को ही सम्मान और महत्वपूर्ण पद दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सालों तक वफादारी से काम करने के बावजूद राज्य स्तर से उन्हें न तो मार्गदर्शन मिला और न ही अपेक्षित सहयोग, जिसके कारण उन्हें यह कड़ा फैसला लेना पड़ा।

टिकटों की कालाबाजारी करने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

डी.बी. मार्ग पुलिस स्टेशन ने भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल मैच की टिकटें ऊंचे दाम पर बेचने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। यह मैच 5 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया था। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने टिकटों की कालाबाजारी कर खरीदारों और आयोजकों के साथ धोखाधड़ी की।

पुलिस की कार्रवाई

इस मामले में डी.बी. मार्ग पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 318(4) और 3(5) के साथ महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 131 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और इस टिकट कालाबाजारी रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है।

आरोपी कौन-कौन

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आदित्य मिलिंद रावराणे (26, विले पार्ले), मेघन संदेश प्रधान (32, अंधेरी), कैवल्य चंद्रशेखर ठिटे (33, अंधेरी), सागर अर्जुन तोडकर (40, घाटकोपर) और जितेंद्र रमेश सांखे (41, दापोली गांव, पालघर) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा दिए गए कॉम्प्लिमेंटरी और रियायती टिकट हासिल किए थे। बाद में इन्हें बाजार कीमत से ज्यादा दाम पर बेचकर अवैध मुनाफा कमाया जा रहा था।

खाने के रंगों में हानिकारक तत्वों पर नियंत्रण के लिए बनेगी नीति

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार बाजार में बिकने वाले खाद्य पदार्थों में इस्तेमाल होने वाले रंगों में मौजूद हानिकारक तत्वों को नियंत्रित करने के लिए नई नीति बनाने की तैयारी कर रही है। यह जानकारी राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री नरहरि जिरवाल ने विधानसभा में दी।

मंत्री ने बताया कि इस मुद्दे पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में विभिन्न खाद्य रंगों में मौजूद खतरनाक रासायनिक तत्वों पर चर्चा होगी। इस क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले विधायकों को भी बैठक में आमंत्रित किया जाएगा।

केंद्र से कानून में बदलाव की मांग

सरकार केंद्र सरकार से भी इस संबंध में कदम उठाने की मांग करेगी। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर खाद्य सुरक्षा से जुड़े केंद्रीय कानूनों में आवश्यक संशोधन करने का अनुरोध किया जाएगा, ताकि हानिकारक रंगों और उनके घटकों पर कड़ा नियंत्रण लगाया जा सके।

जागरूकता और जांच पर जोर

मंत्री ने बताया कि होटल और भोजनालयों को अपने मेन्यू में खाद्य पदार्थों में इस्तेमाल होने वाले घटकों की जानकारी स्पष्ट रूप से लिखने के निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं और इसका सख्ती से पालन कराया जाएगा। साथ ही खाद्य एवं औषधि प्रशासन के तीन प्रयोगशालाओं के अलावा तीन नई प्रयोगशालाएं स्थापित करने का प्रस्ताव भी सरकार के पास भेजा जाएगा। इस मुद्दे पर लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न माध्यमों से अभियान भी चलाया जाएगा।

मछली पकड़ने वाली नाव में आग, लाखों का नुकसान

मुंबई। मालाड के भाटी कोळीवाडा स्थित भाटी मच्छिमार सर्वोदय सहकारी सोसायटी की सदस्य रेश्मा मोझेस धाके की "सी प्रिन्सेस" नामक मछली पकड़ने वाली नाव में गहरे समुद्र में मछली पकड़ते समय स्टोव या गैस भड़कने से आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही कोस्ट गार्ड, मत्स्य व्यवसाय विभाग और येलो गेट पुलिस को सूचित किया गया। इस हादसे में एक नाविक के दोनों पैरों और एक हाथ में चोट आई है, जिसे कांदिवली के शताब्दी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग से नाव मालिक रेश्मा धाके को लगभग 40 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। महाराष्ट्र मच्छिमार कृती समिति ने मांग की है कि उन्हें मुख्यमंत्री सहायता निधि से आर्थिक मदद दी जाए।

मध्य रेल
भुसावल मंडल
निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मुख्य कारखाना प्रबंधक (इंजीनियरिंग कारखाना) मध्य रेल, मनमाड-423104, ई-प्रावण वैबसाइट "http//www.ireps.gov.in" पर ई-बोली आमंत्रित करते है। **टेंडर नोटिस संख्या व दिनांक:-** सीईडब्ल्यु एमएमआर06 2025-2026 दिनांक 05.03.2026, **कार्य का विवरण:-** केंद्रीय इंजीनियरिंग कारखाना मनमाड से भारत में किसी भी जगह के लिए और भारत में किसी भी जगह से केंद्रीय इंजीनियरिंग कारखाना मनमाड के लिए सामग्रीयों का परिवहन।, **औसत लागत (रूपये):-** 28,32,993.16, **इएमडी (रूपये):-** 56,700, **निविदा दस्तावेज की कीमत:-** 0.00, **समापन अवधि:-** 12 महीने, **निविदा बंद होने की तारीख तथा समय:** 06.04.2026 को 15.00 बजे।, **निविदा खुलने की तारीख तथा समय:-** 06.04.2026 को 15.30 बजे।, **1.** उपरोक्त ई-निविदा सूचना की संपुर्ण जानकारी वेबसाइट "http//www.ireps.gov.in" पर उपलब्ध है। **2.** ई बोली के प्रारूप के अलावा अन्य प्रारूप में भेजी गई बोलियां उपर्युक्त निविदा के अंतर्गत स्वीकार नहीं की जाएगी। **3.** समय-समय पर जारी किए गए निविदा दस्तावेज और शुद्धिपत्र निविदा खोलने से कम से कम 14 दिन पहले वेबसाइट पर उपलब्ध होते है और इस वेबसाइट पर देखे जा सकते है।
BSL-14 स.का.प्र. (इं.का.), मनमाड
रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है

संपादकीय

क्रिकेट और देशभक्ति जुनून या भ्रम

भारत में क्रिकेट को लेकर एक अलग ही तरह का जुनून दिखाई देता है। बड़े मैचों के दौरान लोग घंटों टीवी के सामने बैठे रहते हैं, सड़कों पर सन्नाटा छा जाता है और जीत के बाद जश्न मनाया जाता है। खेल के प्रति यह उत्साह स्वाभाविक है, लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब क्रिकेट को देशभक्ति से जोड़ दिया जाता है। ऐसा माहौल बनाया जाता है मानो क्रिकेट देखना या किसी मैच में जीतना ही देश के प्रति प्रेम का सबसे बड़ा प्रमाण हो। यह सोच वास्तव में गलत और भ्रामक है। देशभक्ति का क्रिकेट देखने से कोई सीधा संबंध नहीं है। सच्ची देशभक्ति हमारे रोजमर्रा के व्यवहार में दिखाई देती है। सड़क पर कूड़ा न फेंकना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, ट्रैफिक नियमों का पालन करना और ईमानदारी से अपना काम करना— ये सब देशभक्ति के असली उदाहरण हैं। जब कोई व्यक्ति जातिवाद और भेदभाव से दूर रहकर समाज में भाईचारे की भावना को मजबूत करता है, तब वह वास्तव में देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाता है। यह भी समझना जरूरी है कि देश केवल जमीन का टुकड़ा नहीं होता। देश उन करोड़ों लोगों से मिलकर बनता है जो उसमें रहते हैं। इसलिए देशभक्ति का असली अर्थ देश के लोगों के बारे में सोचना और उनके हितों की चिंता करना है। क्रिकेट की दुनिया भी पूरी तरह निष्कलंक नहीं रही है। मैच फिक्सिंग और सट्टेबाजी जैसे मामलों ने इस खेल की छवि को कई बार नुकसान पहुंचाया है। उदाहरण के तौर पर मोहम्मद अजहरुद्दीन और अजय जडेजा जैसे खिलाड़ियों के नाम मैच फिक्सिंग विवादों में सामने आए थे, जबकि एस. श्रीसंत स्पॉट फिक्सिंग के आरोपों में घिर चुके हैं। इन घटनाओं से यह साफ होता है कि क्रिकेट की दुनिया भी लालच और अनैतिकता से पूरी तरह मुक्त नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में क्रिकेट में इतना अधिक पैसा आ गया है कि कई बार खिलाड़ियों का चरित्र भी प्रभावित होता दिखाई देता है। बड़े विज्ञापन और लीग प्रतियोगिताओं ने खिलाड़ियों को अपार धन दिया है। लेकिन जब पैसा ही सबसे बड़ी प्राथमिकता बन जाए, तो खिलाड़ी ऐसे उत्पादों का प्रचार करने लगते हैं जिनका समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आज कई बड़े क्रिकेटर ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी से जुड़े प्लेटफॉर्म का प्रचार करते नजर आते हैं। उदाहरण के तौर पर एम. एस. धोनी, रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या जैसे लोकप्रिय खिलाड़ी ऐसे मंचों के विज्ञापनों में दिखाई देते हैं। ये प्लेटफॉर्म युवाओं को जल्दी पैसा कमाने का सपना दिखाते हैं, जो जुए जैसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा दे सकते हैं। इसी तरह गुटखा और तंबाकू से जुड़े उत्पादों का परोक्ष प्रचार भी कई बार खिलाड़ियों के जरिए किया जाता है। समस्या यह है कि क्रिकेटर आज समाज में रोल मॉडल बन चुके हैं। लाखों युवा उन्हें देखकर प्रेरित होते हैं। ऐसे में जब यही रोल मॉडल गुटखा या सट्टेबाजी जैसे उत्पादों का प्रचार करते हैं, तो इसका सीधा असर युवाओं पर पड़ता है और वे इसे सामान्य मानने लगते हैं। क्रिकेट एक अच्छा खेल है और खिलाड़ियों की उपलब्धियां देश का गौरव भी बढ़ाती हैं। लेकिन किसी खेल को देशभक्ति का प्रतीक बना देना उचित नहीं है। देशभक्ति हमारे व्यवहार और जिम्मेदारियों में दिखाई देती है, न कि केवल खेल के मैदान में। इसलिए जरूरी है कि क्रिकेट के इस अत्यधिक दीवानापन को समझा जाए। जब किसी खेल को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है, तो वह मनोरंजन से आगे बढ़कर एक लत का रूप ले लेता है। भारत में क्रिकेट का यह अतिरेक कहीं-न-कहीं उसी लत की ओर इशारा करता है।

उत्सव और वास्तविकता के बीच भारतीय महिला की स्थिति

सुजाता मुरकर
सोशल वर्कर हैं और सीएसआर के अंतर्गत फंड रेज़िंग का लंबा अनुभव है।

8 मार्च को पूरे देश में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। सरकारी दफ्तरों, निजी कंपनियों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, नगर निकायों और सामाजिक संगठनों में महिलाओं के सम्मान में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जगह-जगह संगोष्ठियां, सम्मान समारोह, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और जागरूकता अभियान हुए, जिनमें महिलाओं की उपलब्धियों और अधिकारों पर चर्चा की गई। इन कार्यक्रमों में यह संदेश दिया गया कि समाज में महिलाओं की भूमिका केवल परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि वे हर क्षेत्र में बराबरी से योगदान दे रही हैं। लेकिन इन आयोजनों के बीच एक गंभीर सवाल भी उठता है—क्या महिला दिवस के बाद भी समाज में महिलाओं को वही सम्मान और समान अवसर मिलते हैं जिनकी चर्चा इन कार्यक्रमों में होती है? भारत की वास्तविकता कई बार विरोधाभासी नजर आती है।

एक ओर महिलाएं विज्ञान, खेल, सेना, राजनीति और प्रशासन में नई ऊंचाइयां छू रही हैं, वहीं दूसरी ओर समाज के कई हिस्सों में उसी महिला का अस्तित्व आज भी संघर्षपूर्ण है। उन्हें दुर्गा और लक्ष्मी कहकर पूजा जाता है, लेकिन दूसरी ओर दहेज, घरेलू हिंसा और यौन अपराध जैसी घटनाएं यह दिखाती हैं कि समाज में दोहरे मानदंड अब भी मौजूद हैं।

यदि महिलाओं की वास्तविक स्थिति को आंकड़ों के आधार पर देखा जाए तो तस्वीर और स्पष्ट हो जाती है। भारत में अपराध के आधिकारिक आंकड़े तैयार करने वाली संस्था राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ 4,48,211 अपराध दर्ज किए गए। यह संख्या पिछले वर्षों की तुलना में थोड़ी वृद्धि को दर्शाती है। इन मामलों में सबसे बड़ी संख्या पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता की है, जिसके 1,33,676 मामले दर्ज हुए। इसके अलावा 88,605 मामलों में महिलाओं का अपहरण, 83,891 मामलों में छेड़छाड़ या यौन उत्पीड़न, और 29,670 मामलों में बलात्कार के मामले दर्ज किए गए। दहेज हत्या के भी 6,000 से अधिक मामले सामने आए। यह आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा केवल सार्वजनिक स्थानों तक सीमित नहीं है, बल्कि कई बार घर के भीतर ही महिलाओं को उत्पीड़न और अत्याचार का सामना करना पड़ता है।

यदि भारत की तुलना विश्व के अन्य देशों से की जाए तो स्थिति और स्पष्ट दिखाई देती है। वैश्विक स्तर पर लैंगिक समानता का आकलन करने वाली संस्था विश्व आर्थिक मंच की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 के अनुसार भारत 148 देशों की सूची में 131वें स्थान पर है। यह रैंकिंग चार प्रमुख क्षेत्रों—आर्थिक भागीदारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और राजनीतिक प्रतिनिधित्व—के आधार पर तय की जाती है। इस सूची में आइसलैंड, फिनलैंड और नॉर्वे जैसे देश शीर्ष स्थानों पर हैं, जहां महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और सामाजिक अवसरों में लगभग बराबरी प्राप्त है। इसके मुकाबले भारत में अभी भी आर्थिक अवसरों और रोजगार में महिलाओं की भागीदारी सीमित है। आर्थिक क्षेत्र में यह अंतर और भी स्पष्ट दिखाई देता है। भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 30 से 32 प्रतिशत के आसपास मानी जाती है, जबकि कई विकसित देशों में यह 50 प्रतिशत से अधिक है। इसका अर्थ है कि बड़ी संख्या में भारतीय महिलाएं अभी भी औपचारिक रोजगार से बाहर हैं या असंगठित क्षेत्र में कम वेतन वाले कार्यों में लगी हुई हैं। हालांकि शिक्षा के क्षेत्र में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। पिछले दो दशकों में लड़कियों की साक्षरता दर तेजी से बढ़ी है और उच्च शिक्षा में भी उनकी भागीदारी लगातार बढ़ रही है। कई रिपोर्टों के अनुसार शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक समानता का स्तर लगभग 97 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी, सामाजिक दबाव

और बाल विवाह जैसी समस्याओं के कारण कई लड़कियों की पढ़ाई बीच में ही छूट जाती है। राजनीतिक प्रतिनिधित्व के क्षेत्र में भी भारत एक मिश्रित तस्वीर प्रस्तुत करता है। देश में महिलाएं राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और कई राज्यों की मुख्यमंत्री बन चुकी हैं, लेकिन संसद में उनकी हिस्सेदारी अभी भी लगभग 13 से 14 प्रतिशत के आसपास है। जबकि कई यूरोपीय देशों में यह संख्या 30 से 40 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। इससे स्पष्ट है कि निर्णय लेने वाली संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना अभी भी एक महत्वपूर्ण चुनौती है। हालांकि हाल में पारित महिला आरक्षण कानून को इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे आने वाले समय में संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने की उम्मीद है। इन सभी तथ्यों से स्पष्ट है कि भारत में महिला सशक्तिकरण की यात्रा विरोधाभासों से भरी हुई है। एक ओर महिलाएं नई ऊंचाइयां छू रही हैं, तो दूसरी ओर हिंसा, भेदभाव और असमान अवसर जैसी समस्याएं भी सामने आती रहती हैं। महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम समाज को जागरूक करने का एक सकारात्मक माध्यम जरूर हैं, लेकिन वास्तविक परिवर्तन तभी संभव है जब यह सोच केवल एक दिन तक सीमित न रहकर पूरे वर्ष समाज के व्यवहार में दिखाई दे।महिला सशक्तिकरण केवल समारोहों और भाषणों से संभव नहीं है। समाज को बचपन से ही यह सिखाना होगा कि महिला और पुरुष दोनों बराबर हैं। परिवार, स्कूल और समाज को मिलकर ऐसी संस्कृति बनानी होगी जहां बेटियों को भी वही अवसर और सम्मान मिले जो बेटों को मिलते हैं। दफ्तरों और कार्यस्थलों पर महिलाओं को समान वेतन, सुरक्षित वातावरण और सम्मानजनक व्यवहार मिलना चाहिए। जब समाज वास्तव में महिला को बराबरी का अधिकार और सम्मान देना सीख जाएगा, तभी महिला दिवस का उत्सव अपने वास्तविक अर्थ में सफल और सार्थक माना जाएगा।

हमारी गीता

कच्ची नींव पर पक्की इमारत

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

श्रीमद्भगवद्गीता के रणक्षेत्र में अर्जुन की स्थिति उस व्यक्ति के समान है, जिसका मन विषाद और भावनाओं के अतिरेक से भरा हुआ है। जब मन गहरे घावों से घिरा हो, तब व्यक्ति द्वारा कही गई बातें सुनने में सत्य और तर्कसंगत प्रतीत हो सकती हैं, किंतु वे सदैव सही नहीं होतीं। अर्जुन की दशा भी कुछ ऐसी ही है; वह अपनों को खोने के भय और मोह में इतना डूब चुका है कि उसकी बुद्धि भ्रमित हो गई है। ऐसी मानसिक स्थिति में अर्जुन जो तर्क देता है, वे किसी को भी प्रभावित कर सकते हैं। किंतु विचारणीय यह है कि यदि किसी विशाल इमारत की नींव ही कच्ची और खोखली हो, तो वह इमारत चाहे कितनी भी आकर्षक क्यों न हो, कभी स्थिर नहीं रह सकती। अर्जुन युद्ध के परिणामों की एक विनाशकारी श्रृंखला प्रस्तुत करता है—वह कहता है कि युद्ध से कुल का नाश होगा, कुलधर्म लुप्त हो जाएगा, अधर्म बढ़ेगा, स्त्रियां दूषित होंगी और वर्णव्यवस्था छिन्न-भिन्न हो जाएगी। वह पितरों के पिंडदान और तर्पण के लोप होने से नरकवास की आशंका जताता है। अर्जुन द्वारा सोची गई विनाश की यह श्रृंखला एक सामाजिक चिंता जैसी लगती है, किंतु इसकी नींव पूर्णतः गलत और अज्ञान पर टिकी है। धर्म का नाश युद्ध से नहीं, बल्कि धर्म का पालन न करने से होता है। एक क्षत्रिय के लिए रणक्षेत्र में अधर्म के विरुद्ध लड़ना ही उसका परम धर्म है। सदियों से मृत्यु का चक्र चलता आया है, लोग आए और गए, किंतु कुल परंपराएं और धर्म कभी समाप्त नहीं हुए। वास्तव में, धर्म का पतन तब होता है जब समाज नास्तिक, स्वार्थी, लोभी और क्रूर तत्वों के प्रभाव में आ जाता है। ऐसे तत्वों को सबक सिखाना ही राष्ट्र और समाज कल्याण के लिए धर्म की रक्षा है। अर्जुन भावनाओं के वशीभूत होकर अपने वास्तविक कर्तव्य को विस्मृत कर बैठा है। वह हताश होकर, धनुष-बाण त्याग कर रथ से उतर जाता है और यहाँ तक कहता है कि यदि कौरव उसे निहत्थे मार भी दें, तो भी वह युद्ध नहीं करेगा। यह पलायनवाद है, जिसे अर्जुन 'धर्म' समझ रहा है। गीता का यह प्रसंग हमें सिखाता है कि मोह जनित तर्क कभी न्यायसंगत नहीं होते; सत्य वही है जो कर्तव्य की वेदी पर अडिग रहकर निभाया जाए।

शख्सियत

यूरी गगारिन

मिट्टी से सितारों तक का अदम्य सफर

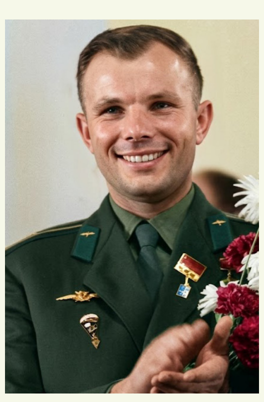

यूरी गगारिन का जन्म 9 मार्च 1934 को रूस के एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। उनके बचपन का शुरुआती दौर द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका के साये में बीता, जिसने उन्हें कम उम्र में ही संघर्ष और धैर्य का पाठ पढ़ा दिया।

जब नाजियों ने उनके गांव पर कब्जा किया, तो उनके परिवार को भीषण अभावों का सामना करना पड़ा, लेकिन इन विपरीत परिस्थितियों ने यूरी के भीतर के साहस को कम करने के बजाय और भी सुदृढ़ कर दिया। उन्हें बचपन से ही मशीनों और आसमान की ऊंचाइयों से गहरा लगाव था। एक तकनीकी स्कूल में पढ़ाई के दौरान उन्होंने फ्लाइंग क्लब ज्वाइन किया, जहां से उनके पायलट बनने के सपने को पंख मिले। उनकी असाधारण प्रतिभा और अटूट अनुशासन के कारण उन्हें सोवियत वायु सेना में चुना गया। वायुसेना में उन्होंने अपनी उड़ान कौशल से सबको प्रभावित किया। यह उनके जीवन का वह प्रारंभिक चरण था, जिसने एक साधारण बढ़ई के बेटे को भविष्य के 'अंतरिक्ष नायक' के रूप में तैयार किया। 1959 में जब सोवियत संघ ने मानव को अंतरिक्ष में भेजने के लिए एक गुप्त और अत्यंत कठिन चयन प्रक्रिया शुरू की, तो हजारों योग्य पायलटों में से केवल 20 को अंतिम प्रशिक्षण के लिए चुना गया। यूरी गगारिन उन चुनिंदा लोगों में से एक थे। उनकी शारीरिक क्षमता ही नहीं, बल्कि उनकी मानसिक दृढ़ता और हमेशा शांत रहने वाले स्वभाव ने उन्हें इस दौड़ में सबसे आगे कर दिया। प्रशिक्षण के दौरान जब उनसे कठिन से कठिन परीक्षण लिए गए, तो गगारिन ने अपनी प्रसिद्ध 'गगारिन मुस्कान' के साथ हर चुनौती को स्वीकार किया। उनकी ईमानदारी और साथियों के प्रति उनके सहयोगात्मक व्यवहार ने चयनकर्ताओं का दिल जीत लिया। अंततः, उनकी मेहनत और दृढ़ संकल्प रंग लाई और उन्हें ऐतिहासिक 'वोस्तोक 1' मिशन के लिए मुख्य अंतरिक्ष यात्री के रूप में चुना गया। यह चयन केवल एक पद का नहीं था, बल्कि एक ऐसी जिम्मेदारी का था जिसे आज तक मानवता के इतिहास में किसी ने नहीं निभाया था। 12 अप्रैल 1961 का वह ऐतिहासिक दिन था, जिसने पूरी दुनिया की सोच और विज्ञान की दिशा बदल दी। ₹पयेखली !₹ (चलो चलें!) के जोशपूर्ण उद्घोष के साथ यूरी गगारिन ने 'वोस्तोक 1' अंतरिक्ष यान में सवार होकर पृथ्वी की कक्षा के लिए उड़ान भरी। 108 मिनट की उस अद्वितीय यात्रा के दौरान, वे पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले पहले मानव बने। अंतरिक्ष के अनंत अंधेरे के बीच से जब उन्होंने नीली पृथ्वी को देखा, तो उन्होंने एक ऐसा संदेश भेजा जो आज भी प्रासंगिक है: ₹पृथ्वी कितनी सुंदर है! आइए, हम इस सुंदरता की रक्षा करें, इसे नष्ट न करें।₹ उन्होंने न केवल भौतिक रूप से अंतरिक्ष के द्वार खोले, बल्कि मानव जाति को यह विश्वास दिलाया कि ब्रह्मांड की सीमाएं हमारे साहस से बड़ी नहीं हैं। उस एक उड़ान ने उन्हें रातों-रात एक वैश्विक नायक बना दिया, जो सीमाओं और देशों की राजनीति से ऊपर उठकर पूरी मानवता का गौरव बन गए। यूरी गगारिन का जीवन हमें सिखाता है कि सफलता के सर्वोच्च शिखर पर पहुंचकर भी विनम्रता कैसे बनाए रखी जाती है। इतनी बड़ी उपलब्धि और विश्वव्यापी प्रसिद्धि के बावजूद, वे हमेशा वही सरल और जमीन से जुड़े इंसान रहे।

जीवन ऊर्जा

उस्ताद जाकिर हुसैन : जन्म 9 मार्च 1951 — जन्म

सीखने की भूख ही इंसान को महान बनाती है

विश्व प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन का जन्म 9 मार्च 1951 को हुआ था। वे महान उस्ताद अल्लाह रक्खा के पुत्र हैं। अपनी जादुई उंगलियों और नवाचार से उन्होंने तबले को वैश्विक पहचान दिलाई। भारत सरकार ने उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया है। वर्तमान में वे संगीत जगत को अपनी कला से निरंतर समृद्ध कर रहे हैं।

संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा का परमात्मा से मिलन है। रियाज़ वह नींव है, जिस पर सफलता की इमारत खड़ी होती है। एक कलाकार कभी पूर्ण नहीं होता, वह जीवनभर एक विद्यार्थी रहता है। मौन में भी एक संगीत है, बस उसे सुनने वाला कान चाहिए। परंपरा का सम्मान करें, लेकिन अपनी मौलिकता को कभी न खोएं। लय और ताल ही जीवन का असली अनुशासन सिखाते हैं। विनम्रता ही एक सच्चे कलाकार की सबसे बड़ी पहचान है। कला साधना है, दिखावा नहीं। समय की ताल को जो समझ गया, वह जीवन की जंग जीत गया। सीखने की भूख ही इंसान को महान बनाती है। प्रतिभा ईश्वर का उपहार है, उसे निखारना आपकी जिम्मेदारी है। तकनीकी कौशल जरूरी है, लेकिन भावना के बिना वह बेजान है। सुनना ही सीखने की पहली सीढ़ी है। शास्त्रीय संगीत हमारी जड़ें हैं, इन्हें कभी मत भूलिए। कामयाबी का नशा कभी सिर पर नहीं चढ़ना चाहिए और कला को अहंकार से मुक्त रखकर ही उसे अमर बनाया जा सकता है। हर धड़कन में एक ताल छिपी होती है, उसे पहचानना ही जीवन की सबसे बड़ी कला है। मंच पर मैं संगीत नहीं बजाता, बल्कि संगीत मुझे अपना माध्यम बनाकर खुद को प्रकट करता है। अभ्यास थकान के लिए नहीं, बल्कि उस स्थिति तक पहुंचने के लिए है जहां हाथ और दिमाग एक हो जाएं। विरासत केवल एक नाम नहीं, बल्कि पूर्वजों के प्रति जिम्मेदारी और समर्पण का भाव है। नवाचार परंपरा का विरोध नहीं, बल्कि उसका भविष्य की ओर विस्तार है। गुरु केवल मार्ग दिखाता है, लेकिन उस पर चलने का साहस और पसीना शिष्य का अपना होना चाहिए। कलाकार की मृत्यु हो सकती है, लेकिन उसकी छोड़ी हुई सुरों की गूंज हमेशा जीवित रहती है। जब आप सुनना शुरू करते हैं, तभी आप समझना शुरू करते हैं। पूर्णता एक यात्रा है, कोई अंतिम मंजिल नहीं। एकाग्रता वह शक्ति है जो साधारण स्वर को भी दिव्य बना देती है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

महाभारत से जीवन की गहरी शिक्षाएं

महाभारत केवल एक युद्ध कथा नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन, परिवार, समाज और नैतिकता का गहन दर्शन भी प्रस्तुत करती है। इस महाग्रंथ में हर पात्र, हर घटना और हर संघर्ष के भीतर जीवन को दिशा देने वाली महत्वपूर्ण शिक्षाएं छिपी हुई हैं। सबसे पहली शिक्षा हमें कौरवों की कथा से मिलती है। धृतराष्ट्र और गांधारी ने अपने पुत्रों के प्रति अंधा प्रेम दिखाया और उनकी हर अनुचित इच्छा को पूरा किया। परिणाम यह हुआ कि दुर्योधन और उसके भाइयों के भीतर अहंकार, लालच और अधर्म की प्रवृत्ति बढ़ती गई। इसलिए महाभारत हमें यह सिखाता है कि माता-पिता को अपने बच्चों की हर इच्छा पूरी करने के बजाय उन्हें सही और गलत का अंतर सिखाना चाहिए। यदि बच्चों की बेवजह की मांगों और गलत इच्छाओं पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया जाए, तो वही बच्चे भविष्य में परिवार और समाज दोनों के लिए संकट बन सकते हैं। महाभारत का दूसरा महत्वपूर्ण संदेश धर्म और अधर्म के संघर्ष से जुड़ा है। कौरवों की सेना में भीष्म, द्रोणाचार्य, कर्ण जैसे महान योद्धा थे, जिनकी शक्ति और पराक्रम अद्वितीय था। फिर भी अंत में उनकी हार हुई, क्योंकि वे अधर्म के पक्ष में खड़े थे। कर्ण जैसा महान योद्धा भी दुर्योधन के प्रति अपनी मित्रता के कारण सत्य का साथ नहीं दे पाया। यह हमें सिखाता है कि व्यक्ति चाहे कितना भी शक्तिशाली, कुशल या समर्थ क्यों न हो, यदि वह अधर्म का साथ देता है तो उसकी सारी ताकत, ज्ञान और आशीर्वाद भी व्यर्थ हो जाते हैं। इसी तरह अश्वत्थामा की कथा यह बताती है कि ज्ञान और शक्ति का दुरुपयोग विनाश को जन्म देता है। इसलिए बच्चों को केवल शक्तिशाली और बुद्धिमान बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें नैतिकता और जिम्मेदारी का पाठ भी सिखाना आवश्यक है, ताकि वे अपने ज्ञान का उपयोग समाज के हित में करें, न कि विनाश के लिए।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

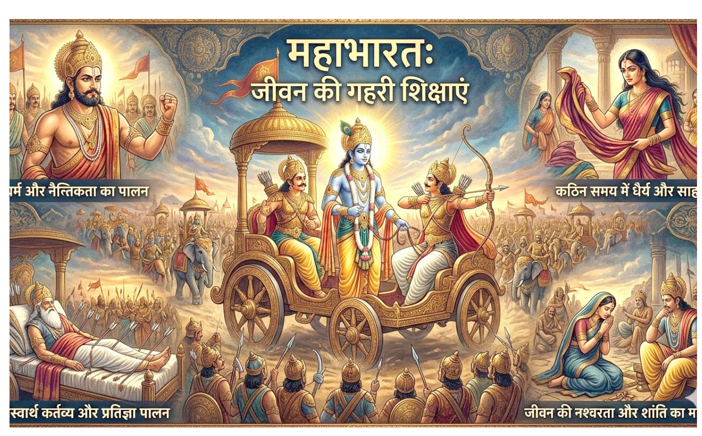

महाभारत हमें यह भी सिखाता है कि जीवन में किए गए वादे और निर्णय कितने महत्वपूर्ण होते हैं। भीष्म पितामह ने अपने पिता की इच्छा पूरी करने के लिए आजीवन ब्रह्मचर्य का व्रत लिया और हस्तिनापुर की राजसत्ता की रक्षा का वचन दिया। यह वचन इतना कठोर था कि उन्हें कई बार अधर्म के सामने भी मौन रहना पड़ा। उनकी महानता और त्याग के बावजूद यह स्थिति उनके लिए पीड़ा का कारण बनी। इसी प्रकार दुर्योधन का उदाहरण हमें बताता है कि शक्ति, धन और अधिकार का अहंकार अंततः विनाश का कारण बनता है। जब कोई व्यक्ति अपनी ताकत का इस्तेमाल न्याय के लिए नहीं बल्कि स्वार्थ और अन्याय के लिए करता है, तो उसका अंत निश्चित रूप से दुखद होता है। इसलिए महाभारत यह संदेश देती है कि शक्ति का सही उपयोग ही व्यक्ति को महान बनाता है, जबकि उसका दुरुपयोग उसे पतन की ओर ले जाता है। महाभारत की सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा सत्य, विवेक और नैतिकता से जुड़ी है। धृतराष्ट्र का अंधापन केवल शारीरिक नहीं था, बल्कि वह अपने पुत्रों के मोह, स्वार्थ और सत्ता के लोभ में भी अंधे हो गए थे। इसलिए यह कहा गया है कि सत्ता की बागडोर कभी ऐसे व्यक्ति को नहीं देनी चाहिए जो स्वार्थ, अहंकार, धन, मोह या वासना में अंधा हो। वहीं अर्जुन का चरित्र हमें यह सिखाता है कि जब ज्ञान के साथ विवेक और सही मार्गदर्शन जुड़ जाए।

अपने विचार

अगर महिलाओं को अवसर और सहयोग मिले तो वे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। आज महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, न्यायपालिका, सशस्त्र बल, चिकित्सा, विज्ञान, तकनीक, कला, खेल और उद्यमिता जैसे कई क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

- द्रौपदी मुर्मू
राष्ट्रपति

कहां विलुप्त हो गई दूसरों के संदर्भ में कही गई आपकी परिवारवाद वाली थोथी दलील व बेतुकी थ्योरी ? आपकी कथनी और करनी में हमेशा बड़ा फर्क रहा है...। सच कहूं तो आप राजनीतिक व वैचारिक विरोधाभास की वो पराकाष्ठा रहे हैं, जिस पर सटीक बैठती है ये कहावत 'पर उपदेश कुशल बहुतेरे'...।

-रोहिणी आचार्य
राजद नेत्री

पड़ोसी देशों के साथ फूट डालने की कोशिश करने वालों ने बातों का गलत मतलब निकाला। ईरान अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे रिश्ते चाहता है। ईरान हमलों का जवाब देने के लिए मजबूर है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह किसी झगड़े या उनके लोगों को नाराज करना चाहते है।

-मसूद पेजेशकियन
ईरानी राष्ट्रपति

पश्चिम एशिया संकट में भारत को आगे आकर युद्ध रोकने की कोशिश करनी चाहिए थी, क्योंकि यह एक बड़ा वैश्विक मुद्दा बन चुका है। लेकिन भारत सरकार की तरफ से इस मामले में कोई ठोस पहल नहीं दिखी। इस मामले में पीएम मोदी ने एक शब्द तक नहीं कहा।

- संजय राउत
राज्यसभा सांसद

अपने
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िमेदार).

ब्रीफ न्यूज़

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन

भिवंडी। रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जी.एम. मोमिन वीमेंस कॉलेज के वाई.सी.एम.ओ.यू स्टडी सेंटर की ओर से रईस हाई स्कूल के उर्दू बसेरा हॉल में महिलाओं के सम्मान में एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की चेयरपर्सन सहेबा शगफ पठान ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में अंसारी साफिया गर्ल्स हाई स्कूल की प्रिंसिपल हुसना अंसारी और विशेष अतिथि के रूप में शाजिया परवीन उपस्थित रहीं। इस अवसर पर के.एम.ई. सोसायटी के उपाध्यक्ष एडवोकेट यासीन मोमिन, चेयरमैन यासिर तातली, प्रिंसिपल जिया-उर-रहमान अंसारी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत कुरआन-ए-पाक की तिलावत से हुई और समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी ने अतिथियों का परिचय कराया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में महिलाओं के अधिकार, सम्मान और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिला और पुरुष दोनों समाज के समान रूप से महत्वपूर्ण हिस्से हैं। कार्यक्रम में छात्राओं अंसारी सानिया, निदा शकील अंसारी और उम्मे मारिया ने कविता व भाषण प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन खान सुंदुस ने किया और अंत में सोफिया मोमिन ने आभार व्यक्त करते हुए राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

एक्वा लाइन पर महिला शक्ति का परचम

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (MMRC) ने महिला सशक्तिकरण की एक मिसाल पेश करते हुए मेट्रो लाइन-3 (एक्वा लाइन) के दो प्रमुख स्टेशनों—मरोल नाका और CSMT—का पूरा संचालन महिला कर्मचारियों को सौंप दिया है। इन दोनों स्टेशनों पर कुल 85 महिला कर्मचारी तैनात हैं, जो स्टेशन कंट्रोल, टिकटिंग, सुरक्षा और मेंटेनेंस जैसे सभी महत्वपूर्ण परिचालन कार्यों को विभिन्न शिफ्टों में कुशलतापूर्वक संभाल रही हैं। यह पहल न केवल महिलाओं की पेशेवर दक्षता को प्रमाणित करती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि तकनीकी और परिचालन के चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में महिलाएं किसी भी स्तर पर पीछे नहीं हैं। मुंबई मेट्रो में महिलाओं की भूमिका केवल स्टेशन प्रबंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि एक्वा लाइन पर 27 महिला ट्रेन ऑपरेटर भी सक्रिय रूप से मेट्रो ट्रेनों का संचालन कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने किया 'विकसित भारत नारी शक्ति संगम' का उद्घाटन

37 लाख 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य

डीबीडी संवाददाता | उत्तन

ठाणे के उत्तन (मीरा-भायंदर) में विश्व महिला दिवस (8 मार्च) के अवसर पर आयोजित 'विकसित भारत नारी शक्ति संगम' सम्मेलन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महिलाओं के नेतृत्व को समाज की प्रगति का आधार बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब महिलाओं को अवसर मिलते हैं, तो वे न केवल सक्षम नेतृत्व का निर्माण करती हैं, बल्कि पूरे देश को नई दिशा देती हैं।

1. 37 लाख 'लखपति दीदी' का मिशन

मुख्यमंत्री फडणवीस ने सम्मेलन में सरकार के बड़े लक्ष्य का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 'लखपति दीदी' योजना के तहत इस साल 37 लाख महिलाओं को आर्थिक रूप से इतना मजबूत बनाया जाएगा कि उनकी सालाना आय 1 लाख से अधिक हो सके। महाराष्ट्र की महिलाओं ने पहले ही स्टार्टअप और उद्योगों में देश का नेतृत्व कर अपनी ताकत साबित कर दी है।

ग्रामीण भारत की 500 'रोल मॉडल'

मीरा-भायंदर के पास उत्तन में आयोजित इस दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस (8-9 मार्च 2026) में देशभर से 500 ग्रामीण महिलाएँ शामिल हो रही हैं। ये वे महिलाएँ हैं जिन्होंने खेती, व्यापार, राजनीति और समाज सेवा में ज़ीरो से शुरुआत कर आसमान छुआ है। इस मंच पर वे अपना सफल सफर साझा कर रही हैं ताकि अन्य महिलाओं को भी प्रेरणा मिल सके।

शताब्दी वर्ष का विशेष सम्मान

यह सम्मेलन इसलिए भी खास है क्योंकि यह समाज सुधारक डॉ. मुथुलक्ष्मी रेड्डी (जो विधानसभा की पहली महिला सदस्य थीं) के विधायी सदस्यता के शताब्दी वर्ष के दौरान आयोजित किया गया है। मुख्यमंत्री ने इसे महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 'समय की मांग' बताया। कार्यक्रम में प्रबोधिनी के डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, पद्मश्री पोपटराव पवार और कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

सरपंचों के लिए 'गुड गवर्नेंस' की पाठशाला

ग्रामीण विकास मंत्री जयकुमार गोरे ने एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया कि राज्य की महिला सरपंचों को रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी में ट्रेनिंग दी जानी चाहिए। इसका मकसद उन्हें सरकारी नियमों, बजट प्रबंधन और गाँव के विकास के आधुनिक तरीकों से रूबरू कराना है, जिससे गाँवों में 'सुशासन' (Good Governance) को बढ़ावा मिले।

ठाणे की सड़कों पर 'लेडीज पावर' का जलवा

ठाणे। ठाणे महानगर पालिका और 'आमी सायकल प्रेमी फाउंडेशन' के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को 'रणरागिनी साइकिल राइड' का भव्य आयोजन किया गया। रंग-बिरंगे परिधानों, सजी हुई साइकिलों और महिला सशक्तिकरण के संदेशों के साथ यह राइड मनपा मुख्यालय पर संपन्न हुई। इस अवसर पर मेयर शर्मिला पिंपलोलकर और डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल ने उपस्थित होकर महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। मेयर पिंपलोलकर ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं, जबकि डिप्टी मेयर ने फाउंडेशन की पहल की सराहना करते हुए भविष्य में हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

दो श्रेणियों में राइड का आयोजन और गणमान्यों की उपस्थिति

यह साइकिल राइड दो अलग-अलग श्रेणियों—3.5 किलोमीटर और 5.5 किलोमीटर—में आयोजित की गई थी। राइड की शुरुआत सुबह 7:10 बजे जानी-मानी आयुर्वेदिक गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. मधुरा कुलकर्णी, हिंडायन राइड के संस्थापक विष्णु दास चापके और फाउंडेशन की अध्यक्ष प्रज्ञा म्हात्रे की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर की गई। प्रतिभागियों में भारी उत्साह देखा गया, जहां छोटी बच्चियों से लेकर वरिष्ठ महिलाओं तक ने बड़े पैमाने पर हिस्सा लेकर स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

विशिष्ट उपलब्धियों के लिए 'रणरागिनी पुरस्कार' से सम्मान

कार्यक्रम के समापन पर विभिन्न क्षेत्रों में प्रेरणा बनने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। 68 वर्षीय साइकिलिस्ट मंगला पाई को 'जीवन गौरव' और डॉ. मधुरा कुलकर्णी को 'रणरागिनी गौरव' पुरस्कार दिया गया। साथ ही, नन्ही अपूर्वा फरदे और वरिष्ठ सविता नानोरे को भी सम्मानित किया गया।

नवी मुंबई में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन

नवी मुंबई। नवी मुंबई महानगरपालिका की महिला एवं बाल कल्याण समिति द्वारा वाशी के विष्णुदास भावे नाट्यगृह में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शहर की महापौर सुजाता पाटील ने महिलाओं को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने घोषणा की कि महानगरपालिका जल्द ही महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए नए उपक्रम शुरू करेगी, जिसमें एनएमएमटी (NMMT) बसों के लिए महिला चालकों को विशेष प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराना शामिल है। कार्यक्रम में विधायक मंदाताई म्हात्रे और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी महिलाओं के योगदान की सराहना की। समारोह के दौरान महिला एवं बाल कल्याण समिति की सभापति सलुजा सुतार ने बताया कि वर्तमान में समिति द्वारा 25 विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनसे हजारों लाभार्थी लाभान्वित हुए हैं।

स्टेशनों पर गूंजी नारी शक्ति

चर्चगेट, वडोदरा और इंदौर में लाइव रेडियो शो

महिला रेलकर्मियों ने सुनाई अपनी सफलता की कहानी

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के मौके पर पश्चिम रेलवे ने एक बेहद अनोखी और सुरीली पहल की है। 'चर्चगेट से लेकर इंदौर तक', रेलवे स्टेशनों पर ही लाइव रेडियो स्टेशन बना दिए गए, जहाँ महिला रेलकर्मियों की जांबाजी की कहानियाँ सीधे लाखों श्रोताओं के कानों तक पहुँचीं।

रविवार, 8 मार्च 2026 को पश्चिम रेलवे ने मुसाफिरों और श्रोताओं को चौंका दिया। चर्चगेट (मुंबई), वडोदरा और इंदौर स्टेशनों पर एक साथ लाइव रेडियो शिफ्ट ऑर्गनाइज़ की गई। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, इसका मकसद महिला कर्मचारियों के संघर्ष और उपलब्धियों को दुनिया के सामने लाना था।

युवाओं के लिए 'हौसलों वाला संदेश'

रेडियो के जरिए इन महिला अधिकारियों ने देश की बेटियों को एक कड़ा संदेश दिया। उन्होंने इंजीनियरिंग और टेक्निकल फील्ड को करियर के रूप में चुनने के लिए लड़कियों को प्रोत्साहित किया। उनका एक ही मंत्र था— ₹आत्मविश्वास और पक्के इरादे से हर बाधा को तोड़ा जा सकता है।

RJ रानी और 'तीस' जांबाज महिलाएँ

चर्चगेट स्टेशन पर RJ रानी ने कमान संभाली और पश्चिम रेलवे के अलग-अलग विभागों की 30 महिला कर्मचारियों से दिल खोलकर बात की। वडोदरा में RJ मेघा और इंदौर में RJ पीहू ने मोर्चा संभाला। इन बातचीत में महिलाओं ने बताया कि कैसे वे रेलवे के सुरक्षित और कुशल संचालन (Operations) में अपना खून-पसीना एक कर रही हैं। हवाओं में तैरती इन आवाजों ने बताया कि अब रेलवे में महिलाएँ सिर्फ दफ्तरों तक सीमित नहीं हैं।

भुसावल मंडल में धूमधाम से मनाया गया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

भुसावल। मध्य रेलवे के भुसावल मंडल में 8 मार्च 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर रेलवे संचालन और यात्री सेवाओं में महिला कर्मचारियों के योगदान को रेखांकित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। अधिकारियों ने कहा कि रेलवे के संचालन से लेकर यात्री सुविधाओं तक महिलाओं की भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है। इस मौके पर गाड़ी संख्या 19013 भुसावल–कटनी एक्सप्रेस का संचालन पूरी तरह महिला कर्मचारियों ने किया। ट्रेन को भुसावल स्टेशन से खंडवा की ओर लोको पायलट ज्योति सिंह, सहायक लोको पायलट पिरिया टिपाले और ट्रेन मैनेजर सरिता माने की टीम ने चलाया। मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया और इस पहल को महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का प्रतीक बताया।

यात्रियों के लिए नई सुविधाएं

महिला यात्रियों की सहूलियत के लिए नाशिक रोड स्टेशन पर विशेष प्रतीक्षालय बनाया गया है। वहीं नाशिक, मनमाड, भुसावल, जळगांव, अकोला और खंडवा सहित 14 स्टेशनों पर शिशु आहार कक्ष भी शुरू किए गए हैं, जहां माताएं अपने बच्चों की देखभाल कर सकती हैं।

दामिनी स्क्वाड ने संभाली टिकट जांच और सुरक्षा

ट्रेन में टिकट जांच और ऑनबोर्ड सुरक्षा की जिम्मेदारी भी महिला कर्मचारियों की टीम ने निभाई। भुसावल मंडल की दामिनी स्क्वाड की सदस्य पुष्पा देवी, दीपाली बोबडे, ज्योति निकम, वंदना घेंगत, सीमा मेश्राम, जयश्री कोल्हे और प्रणिता धांडे ने टिकट जांच का कार्य संभाला, जबकि आरपीएफ कांस्टेबल संजना साहू ने सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाई। इससे महिला सशक्तिकरण का प्रेरक संदेश सामने आया। भुसावल मंडल ने महिला कर्मचारियों और यात्रियों की सुविधा के लिए कई पहलें शुरू की हैं। न्यू अमरावती स्टेशन को "पिंक स्टेशन" के रूप में विकसित किया गया है, जिसका संचालन पूरी तरह महिलाओं के हाथ में है। इसके साथ ही महिला कर्मचारियों के लिए सुरक्षित आवास की "पिंक पूल" सुविधा भी बनाई गई है, जिससे उन्हें सुरक्षित और सुविधाजनक माहौल मिल सके।

हर जिले में बनेगी वृक्ष प्रयोगशाला

मुख्यमंत्री फडणवीस ने आर्बोरिकल्चर को बताया सतत विकास का आधार

मुंबई। मुंबई में आयोजित दूसरी अंतरराष्ट्रीय आर्बोरिकल्चर परिषद (वृक्षवर्धन 2026) में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक बहुत ही संतुलित और आधुनिक विजन पेश किया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि अब कंक्रीट के विकास और हरियाली के बीच कोई जंग नहीं होगी, बल्कि 'आर्बोरिकल्चर' (Arboriculture) यानी वैज्ञानिक वृक्ष प्रबंधन के जरिए दोनों हाथ मिलाकर चलेंगे।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि 'आर्बोरिकल्चर' का मतलब सिर्फ बीज बोना नहीं, बल्कि पेड़ों की सेहत का वैज्ञानिक तरीके से ध्यान रखना है। अब से हर बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना (जैसे रोड या मेट्रो) में 'आर्बोरिकल्चर इम्पैक्ट असेसमेंट रिपोर्ट' अनिवार्य की जाएगी, ताकि यह पता चल सके कि निर्माण से पेड़ों पर क्या असर होगा और उन्हें कैसे बचाया जा सकता है।

पुनर्रोपण में 'यू-टर्न'

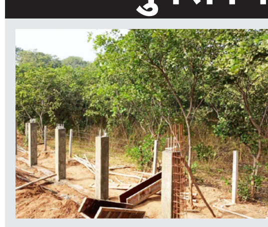

अक्सर देखा जाता है कि विकास कार्यों के लिए उखाड़े गए पेड़ दोबारा लगाने पर सूख जाते हैं। सरकार ने इस असफलता को चुनौती के रूप में लिया है। अब पुनर्रोपण की सफलता दर को 30% से बढ़ाकर 80% करने का लक्ष्य रखा गया है। यानी तकनीक ऐसी होगी कि उखाड़ा गया पेड़ नई जगह पर जीवित रहे और फले-फूले। पुराने और ऐतिहासिक (Heritage) पेड़ों को बचाने के लिए हर जिले में एक वृक्ष प्रयोगशाला (Tree Lab) स्थापित की जाएगी। यह लैब पेड़ों की बीमारियों का इलाज करेगी और उनकी उम्र बढ़ाने के तरीके खोजेगी। साथ ही, CSR फंड (कंपनियों का सामाजिक उत्तरदायित्व फंड) का इस्तेमाल अब पेड़ों के संरक्षण के लिए भी किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने संत तुकाराम के विचार 'वृक्षवल्ली आम्हा सोयरे' का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के पास 'वृक्ष आयुर्वेद' के रूप में पेड़ों की देखभाल का प्राचीन ज्ञान है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा। परिजनों के स्वास्थ्य और सुविधाओं की ओर ध्यान दें।

वृष विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्ति के योग हैं। सावधानी व सतर्कता से व्यापारिक अनुबंध करें। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

मिथुन बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर मिलेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कर्क मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। कानूनी विवादों का निपटारा आपके पक्ष में होने की संभावना है। प्रतिष्ठितजनों से मेल-जोल बढ़ेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति जीवन में आनंद का संचार करेगी। कई दिनों से रुका पैसा मिल सकेगा।

कन्या चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान प्राप्त होगा। भाइयों से अनबन हो सकती है।

तुला कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी परो नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे। अनुकूल समाचार मिलेंगे तथा दिन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

धनु किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है। रुका कार्य होने से प्रसन्नाता होगी। आर्थिक सलाह उपयोगी रहेगी। कर्ज की चिंता कम होगी।

मकर अति व्यस्तता रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। अल्प परिश्रम से ही लाभ होने की संभावना है। खर्चों में कमी करने का प्रयास करें।

कुंभ संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। स्वयं की प्रतिष्ठा व सम्मान के अनुरूप कार्य हो सकेंगे।

मीन प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। महत्व के कार्य को समय पर करें। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा। मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

जन्मकुंडली में इन ग्रहों के संयोग से बनता है सरकारी नौकरी का योग

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सरकारी नौकरी की संभावनाओं का आंकलन मुख्य रूप से जन्मकुंडली के दशम भाव का विश्लेषण करके किया जाता है। यह भाव करियर, प्रोफेशन और प्रतिष्ठा का प्रतिनिधित्व करता है। किसी व्यक्ति के जन्म के समय ग्रहों की स्थिति उसके करियर, व्यक्तित्व, कारोबार, सेहत और वैवाहिक जीवन पर गहरा प्रभाव डालती है। कुंडली में कई ऐसे विशेष योग और राजयोग होते हैं, जिनके बनने से व्यक्ति के सरकारी

प्रियंका जैन
9769994439

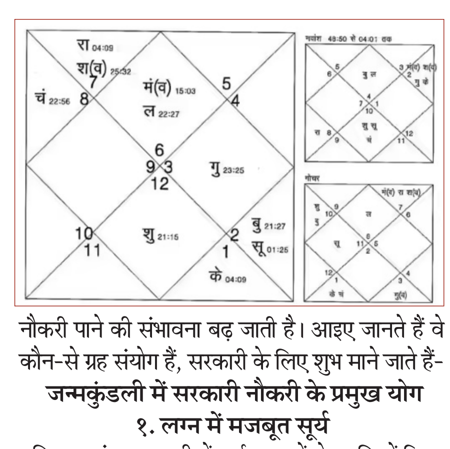

नौकरी पाने की संभावना बढ़ जाती है। आइए जानते हैं वे कौन-से ग्रह संयोग हैं, सरकारी के लिए शुभ माने जाते हैं-

जन्मकुंडली में सरकारी नौकरी के प्रमुख योग

१. लग्न में मजबूत सूर्य

यदि कारकांश जन्मपत्री में सूर्य लग्न में मेष राशि में स्थित हो और कुंडली में तीन-चार अन्य ग्रह शुभ स्थिति में हों, तो व्यक्ति में नेतृत्व क्षमता बढ़ती है। ऐसे जातक प्रशासनिक सेवाओं मंअ जाते हैं और समाज में विशेष सम्मान प्राप्त करते हैं।

२. दूसरे, छठे और दसवें भाव में बलवान सूर्य

यदि कुंडली के द्वितीय, षष्ठ और दशम भाव में सूर्य स्वराशि, उच्च राशि या मूलत्रिकोण में स्थित हो, तो सरकारी नौकरी की संभावनाएं काफी बढ़ जाती हैं। साथ ही यह देखना आवश्यक है कि सूर्य कितने डिग्री पर स्थित है और उस पर किन ग्रहों की दृष्टि पड़ रही है।

३. इन भावों में मजबूत गुरु

अगर गुरु ग्रह भी दूसरे, छठे या दसवें भाव में बलवान हो, तो यह सरकारी नौकरी का प्रबल योग बनाता है। ऐसे लोग सात्विक, धार्मिक प्रवृत्ति वाले और प्रतिष्ठित पदों पर पहुँचने वाले होते हैं।

४. दशमेश की दृष्टि और शुभ ग्रहों का द्विद्वादश योग

यदि दशम भाव पर दशमेश की दृष्टि हो और जन्मांग चक्र में शुभ ग्रह द्विद्वादश योग बनाते हों, तथा लग्नेश मजबूत हो-तो व्यक्ति प्रशासनिक सेवाओं या उच्च सरकारी पदों पर पहुंच सकता है। ऐसे लोग साहसी, पराक्रमी और निर्णय क्षमता में मजबूत होते हैं।

५. चंद्रमा ग्यारहवें भाव में और गुरु तीसरे भाव में

कुंडली में यदि चंद्रमा 11वें भाव और गुरु 3रे भाव में स्थित हों, तो यह योग जीवन में सुख, समृद्धि और सरकारी नौकरी की प्राप्ति का संकेत देता है। ऐसे लोग शिक्षा क्षेत्र में-शिक्षक, प्रोफेसर या प्रिंसिपल-जैसे पदों पर भी आगे बढ़ते हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस : योगी सरकार ने नारी शक्ति का किया सम्मान

आधी आबादी को मिलीं सौगातें

- मुख्यमंत्री ने वाराणसी मंडल की लाभार्थी महिलाओं से किया संवाद
- रोजगार महाकुंभ में 5000 से अधिक महिलाओं को रोजगार के प्रस्ताव
- सीएम कन्या सुमंगला योजना की लाभार्थी बालिकाओं को चेक वितरित

एजेंसी । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को राजधानी में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में नारी शक्ति का सम्मान किया। महिला सशक्तीकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित इस कार्यक्रम में न सिर्फ आधी आबादी का सम्मान किया गया, बल्कि उन्हें रोजगार के नए अवसर भी मिले। मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थी महिलाओं को चेक, नियुक्ति पत्र व आयुष्मान कार्ड प्रदान किए।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजकीय गृहों व मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली दुर्गा यादव (वाराणसी, हाईस्कूल में 85 फीसदी से अधिक अंक), मोहिनी पाल (लखनऊ, इंटरमीडिएट में 82 फीसदी अंक), स्नेहा यादव (हाईस्कूल में 95 फीसदी), श्रेया अवस्थी (हाईस्कूल में 89 फीसदी), अन्वी शुक्ला (हाईस्कूल में 86 फीसदी), कृतिका शर्मा (इंटरमीडिएट में 95 फीसदी) व प्रांशी (इंटरमीडिएट में 88 फीसदी) को उनकी शानदार सफलता के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सीएम ने सभी बच्चियों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शैलवी शारदा, कीर्ति करमचंदानी, आनंदी अग्रवाल व गीतांजलि को नारी शक्ति अवार्ड से सम्मानित किया।

आंगबाड़ी कार्यकत्रियों को मिले 38.49 करोड़

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के बीमा प्रीमियम व साड़ी/वर्दी के लिए 38.49 करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से खाते में ट्रांसफर किए। इसमें साड़ी-वर्दी के लिए 29.59 करोड़ रुपये तथा बीमा प्रीमियम की 8.90 करोड़ रुपये की धनराशि अंतरित की गई। सीएम योगी ने नेहा दुबे, मानसी साहू, पूनम तिवारी, मनोरमा मिश्रा को साड़ी और सेवा मित्र आकांक्षा (ब्यूटीशियन) व रत्ना भारती को यूनिफॉर्म प्रदान कीं।

रोजगार संगम पोर्टल मोबाइल ऐप का शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर रोजगार संगम पोर्टल के मोबाइल ऐप का शुभारंभ भी किया। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की लाभार्थी बालिकाओं का उत्साहवर्धन मुख्यमंत्री योगी ने शानवी गुप्ता, काव्या कश्यप, नैंसी रावत, साक्षी कुमारी, अभिश्री गुप्ता व शायरा बानो को चेक देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने इन बच्चियों से बातचीत की, उन पर अपना स्नेह बरसाया और उन्हें उपहार भी दिए। सीएम योगी ने सराहनीय कार्य करने वाली महिलाकर्मियों का भी सम्मान किया। उन्होंने महिला कल्याण विभाग की छाया बड़वल (बरेली) व उमैरा मेराज (लखनऊ) और महिला सुरक्षा में उत्कृष्ट कार्य करने वाली पुलिस निरीक्षक नीलम राणा, मुख्य आरक्षी वेदवती व शिमला सिंह को सम्मानित किया। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने बाल विवाह की रोकथाम तथा 181 महिला हेल्पलाइन में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कुमारी नैंसी (फतेहपुर), पायल (बागपत) और लखनऊ की स्नेहलता व दीप्ति को भी सम्मानित किया।

127 करोड़ रुपये लौटाए विद्युत विभाग

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर बिजली उपभोक्ताओं से अतिरिक्त वसूली के मामले में महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए करीब 127 करोड़ रुपये वापस करने का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा है कि एक अप्रैल के बाद जिन उपभोक्ताओं से अतिरिक्त शुल्क लिया गया है, उसे उनके आगामी बिजली बिलों में समायोजित कर लौटाया जाए। आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार और सदस्य संजय कुमार सिंह की पीठ ने यह आदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। साथ ही मामले की अगली सुनवाई 11 अगस्त को निर्धारित की गई है। आयोग ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के निदेशक (वाणिज्य) को उस दिन व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का भी निर्देश दिया है।

निर्धारित धनराशि से अधिक वसूला

सुनवाई के दौरान बताया गया कि बिजली वितरण कंपनियों ने नए बिजली कनेक्शन जारी करते समय स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूल की। सिंगल फेज कनेक्शन के लिए 6016 रुपये और थ्री फेज कनेक्शन के लिए 11,341 रुपये लिए गए, जबकि इनमें क्रमशः लगभग 3,216 रुपये और 7,241 रुपये अतिरिक्त बताए गए। इस संबंध में राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने आयोग में याचिका दाखिल कर अधिक वसूली को अवैध बताते हुए कार्रवाई की मांग की थी। परिषद के अनुसार 10 सितंबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 के बीच बिजली विभाग ने 3,53,357 नए कनेक्शन जारी किए थे, जिनसे यह अतिरिक्त राशि ली गई। आयोग के निर्देश के बाद अब बिजली कंपनियों को उपभोक्ताओं से ली गई अतिरिक्त रकम लौटाने की प्रक्रिया शुरू करनी होगी। जिनसे यह अतिरिक्त राशि वसूली गई।

उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार की तैयारी

नए चेहरों को मिल सकती है तरजीह

एजेंसी । लखनऊ

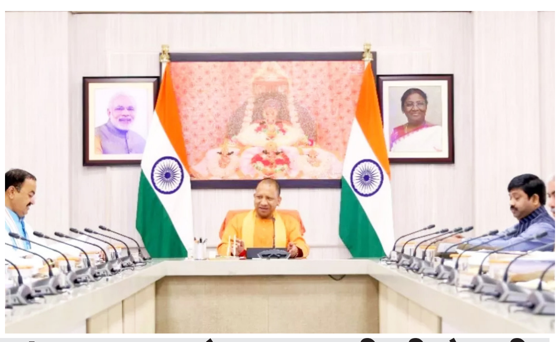

उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच संकेत मिले हैं कि आगामी दिनों में सरकार में फेरबदल संभव है। सूत्रों के अनुसार 11 मार्च के बाद किसी भी समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी मंत्रिपरिषद का विस्तार कर सकते हैं। इसके लिए संगठन और सरकार के स्तर पर परामर्श की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है तथा संभावित नए मंत्रियों के नामों पर भी सहमति बनने की बात कही जा रही है।भाजपा के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए यह विस्तार प्रस्तावित है। इसमें क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन को साधने पर विशेष ध्यान दिया जा सकता है। चर्चा यह भी है कि सरकार में एक और उपमुख्यमंत्री पद सृजित करने पर विचार किया जा रहा है। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद विभिन्न आयोगों और निगमों में लंबे समय से रिक्त पदों पर भी नियुक्तियां किए जाने की संभावना है।

संगठनात्मक फेरबदल की भी तैयारी

पार्टी सूत्रों का कहना है कि सरकार के साथ-साथ संगठन में भी अगले एक महीने के भीतर बदलाव देखने को मिल सकते हैं। भाजपा में जिला कार्यकारिणियों के गठन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिसके बाद क्षेत्रीय और प्रदेश स्तर की नई कार्यकारिणी घोषित की जाएगी। इन समितियों में युवाओं, पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जाति और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही जिला इकाइयों में विधानसभा और लोकसभा विस्तारकों के समायोजन के निर्देश भी दिए गए हैं। विधानसभा चुनाव के करीब आने के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के बीच समन्वय बैठकों का सिलसिला भी तेज हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल विभिन्न क्षेत्रों में संघ पदाधिकारियों के साथ बैठकें कर रहे हैं।

5.3 करोड़ की स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी । बरेली

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान चलाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 2.64 किलोग्राम स्मैक बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 5.30 करोड़ रुपये बताई जा रही है। एएनटीएफ की बरेली इकाई के प्रभारी उपनिरीक्षक विकास यादव के अनुसार, टीम को पिछले कुछ समय से बरेली और आसपास के क्षेत्रों में स्मैक की तस्करी की गतिविधियों की सूचना मिल रही थी। इसी क्रम में शनिवार देर रात सूचना मिली कि एक व्यक्ति बड़ी मात्रा में स्मैक लेकर सप्लाई के लिए जा रहा है। सूचना के आधार पर टीम ने थाना सुभाषनगर क्षेत्र में बरेली-बदायूं मार्ग पर ग्राम रौंधी जाने वाले रास्ते के पास घेराबंदी कर एक संदिग्ध युवक को रोककर उसकी तलाशी ली।

छह महीने बाद वृंदावन में मिला सत्यप्रकाश

- 1.28 करोड़ की जमीन बेचने के बाद हुआ था गायब
- अभी तक अपहरण के एंगल पर जांच कर रही थी पुलिस

एजेंसी । भागलपुर

जिले के तिलकामांझी थाना क्षेत्र से जमीन के सौदे के बाद लापता हुए सत्यप्रकाश साह को पुलिस ने करीब छह महीने बाद उत्तर प्रदेश के वृंदावन से बरामद कर लिया है। जांच में सामने आया है कि उनके अपहरण की आशंका सही नहीं थी। पुलिस के अनुसार मुंदीचक निवासी डॉ. कुंदन साह ने 31 जुलाई 2025 को केवाला के माध्यम से सत्यप्रकाश साह से एक भूखंड खरीदा था। इस सौदे की कुल कीमत 1 करोड़ 28 लाख 16 हजार रुपये तय हुई थी, जिसका भुगतान एक्सिस बैंक के चेक के जरिए किया गया था। जमीन की रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद खरीदार को जमीन का कब्जा नहीं मिल सका। इसी दौरान सत्यप्रकाश साह अचानक लापता हो गए थे।

सर्विलांस में वृंदावन में मिली लोकेशन

शुरुआत में इस मामले को अपहरण की घटना के रूप में देखा जा रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए तिलकामांझी थाना पुलिस ने जांच शुरू कर सत्यप्रकाश साह की तलाश तेज कर दी। तकनीकी साक्ष्यों और गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने उनका लोकेशन उत्तर प्रदेश के वृंदावन में ट्रेस किया।

घरेलू कारणों से छोड़ा घर-परिवार

इसके बाद पुलिस टीम वहां पहुंची और उन्हें बरामद कर लिया। इस अभियान का नेतृत्व उपनिरीक्षक शशि भूषण कुमार ने किया। बरामदगी के बाद रविवार को सत्यप्रकाश साह को भागलपुर लाकर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां उनका बयान दर्ज कराया गया। न्यायालय में दिए बयान में सत्यप्रकाश साह ने कहा कि उनका अपहरण नहीं हुआ था। उन्होंने बताया कि घरेलू कारणों से परेशान होकर वे घर छोड़कर वृंदावन स्थित एक आश्रम में रहने चले गए थे।

लापता होने का ड्रामा

न्यायालय में दिए बयान में सत्यप्रकाश साह ने कहा कि उनका अपहरण नहीं हुआ था। उन्होंने बताया कि घरेलू कारणों से परेशान होकर वे घर छोड़कर वृंदावन स्थित एक आश्रम में रहने चले गए थे। उनके इस बयान के बाद अपहरण की आशंका खारिज हो गई है। फिलहाल पुलिस जमीन सौदे और भुगतान से जुड़े पहलुओं की भी जांच कर रही है। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि जमीन का कब्जा खरीदार को क्यों नहीं दिया गया और आगे इस मामले में क्या कानूनी कार्रवाई की जानी है। हालांकि अब पुलिस पूरे मामले की कानूनी पहलुओं से जांच कर रही है, खासकर जमीन सौदे और पैसे के लेन-देन को लेकर। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि जमीन का कब्जा क्यों नहीं दिया गया और इस पूरे मामले में आगे क्या कार्रवाई की जाएगी।

अनिल अंबानी और RCOM पर एक और मुकदमा

- पूर्व निदेशक मंजरी अशोक कक्कड़ भी नामजद

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने सार्वजनिक क्षेत्र के Punjab National Bank की शिकायत के आधार पर उद्योगपति Anil Ambani, उनकी कंपनी Reliance Communications (आरकॉम) और कंपनी की पूर्व निदेशक मंजरी अशोक कक्कड़ के खिलाफ 1,085 करोड़ रुपये से अधिक की कथित बैंक धोखाधड़ी के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है।

अकेले PNB को 621.39 करोड़ का घाटा

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि इस प्रकरण में Punjab National Bank को लगभग 621.39 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जबकि United Bank of India (जिसका बाद में पीएनबी में विलय हो चुका है) को करीब 463.80 करोड़ रुपये की हानि हुई।

2017 में एनपीए घोषित हुआ था खाता

BDO India LLP द्वारा तैयार की गई ऑडिट रिपोर्ट में बैंक फंड के कथित डायवर्जन और संबंधित पक्षों के साथ संदिग्ध लेनदेन का उल्लेख किया गया था। ऋण की किश्तें समय पर न चुकाने के कारण वर्ष 2017 में इन खातों को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घोषित कर दिया गया था और बाद में इन्हें धोखाधड़ी की श्रेणी में रखा गया। सीबीआई ने इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी (आपराधिक साजिश) और 420 (धोखाधड़ी) सहित भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है।

Meesho को 1500 करोड़ रुपये की नोटिस

- आयकर विभाग ने मांगा टैक्स, स्टाक एक्सचेंज ने की पुष्टि

एजेंसी । नई दिल्ली

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म Meesho को आयकर विभाग की ओर से लगभग 1,500 करोड़ रुपये का कर मांग नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस वित्त वर्ष 2022-23 से संबंधित बताया गया है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में इसकी पुष्टि की है।

डिस्काउंट को लेकर मतभेद

विशेषज्ञों के अनुसार ई-कॉमर्स कंपनियों और कर विभाग के बीच अक्सर ग्राहकों को दिए जाने वाले डिस्काउंट और प्रोत्साहनों को लेकर मतभेद सामने आते हैं। कंपनियां इन छूटों को व्यावसायिक खर्च के रूप में दर्ज करती हैं, जबकि कर प्राधिकरण कई मामलों में इन खर्चों को पूर्ण कर कटौती के योग्य नहीं मानते। ऐसे मामलों में कर मांग संबंधी विवाद उत्पन्न होते हैं। कंपनी को इससे पहले भी कर विभाग से नोटिस मिल चुका है। उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार वित्त वर्ष 2022 से जुड़े एक मामले में भी विभाग ने कर देयता को लेकर आपत्ति जताई थी। उस प्रकरण में कंपनी ने न्यायालय का रुख किया था और मामला अभी भी विचाराधीन बताया जाता है। वित्तीय स्थिति की बात करें तो हालिया तिमाही में कंपनी का शुद्ध घाटा बढ़कर लगभग 491 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जबकि परिचालन राजस्व में वृद्धि दर्ज की गई और यह करीब 3,517 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने कहा है कि वर्तमान नोटिस के संबंध में वह सभी उपलब्ध कानूनी विकल्पों पर विचार कर रही है। विभाग का

कहना है कि कंपनी द्वारा घोषित आय के आकलन में कुछ विसंगतियां पाई गई हैं। इसके आधार पर कर अधिकारियों ने अतिरिक्त समायोजन करते हुए बकाया कर के साथ ब्याज की राशि जोड़कर यह मांग तय की है। हालांकि कंपनी प्रबंधन ने कहा है कि वह नोटिस का विस्तृत अध्ययन कर रहा है।

FPI: निवेशकों ने बाजार से निकाले 21 हजार करोड़

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) ने हाल के चार कारोबारी सत्रों में भारतीय शेयर बाजार से लगभग 21,000 करोड़ रुपये (करीब 2.3 अरब डॉलर) की निकासी की है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक जोखिम की बढ़ती आशंकाओं के कारण विदेशी निवेशकों का रुख फिलहाल सतर्क बना हुआ है। फरवरी माह में किया भारी निवेश यह बिकवाली उस समय सामने आई है जब इससे ठीक पहले फरवरी महीने में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में जोरदार निवेश किया था। फरवरी में एफपीआई ने करीब 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो पिछले करीब 17 महीनों में किसी एक महीने में किया गया सबसे बड़ा निवेश था।

घरेलू सराफा बाजार में चमका सोना

- चांदी की कीमतों में मामूली बढ़त

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में रविवार को सोने की कीमतों में तेजी दर्ज की गई, जबकि चांदी के भाव में मामूली बढ़त देखने को मिली। कारोबार के दौरान सोना 2,310 से 2,530 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। वहीं चांदी की कीमत में करीब 100 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि दर्ज की गई। कीमतों में इस तेजी के बाद देश के अधिकांश बाजारों में 24 कैरेट सोना लगभग 1,63,650 से 1,63,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार करता दिखाई दिया। इसी तरह 22 कैरेट सोने का भाव करीब 1,50,000 से 1,50,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच रहा। चांदी की कीमत दिल्ली सर्राफा बाजार में लगभग 2,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर दर्ज की गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं के दाम में मजबूती का रुख रहा। वैश्विक स्तर पर सोने का हाजिर भाव करीब 4,967.41 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया।

आठ कंपनियों का मार्केट कैप 2.81 लाख करोड़ घटा

- शेयर बाजार में गिरावट से शीर्ष कंपनियों की संपत्ति घटी

एजेंसी । नई दिल्ली

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में आई तेज गिरावट का असर देश की प्रमुख कंपनियों के बाजार मूल्य पर भी दिखाई दिया। शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में लगभग 2,81,581.53 करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई। इस दौरान सबसे अधिक गिरावट State Bank of India के बाजार मूल्य में देखी गई।

वैश्विक परिस्थितियों का पड़ा असर

विश्लेषकों के अनुसार पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। Ajit Mishra, जो Religare Broking में वरिष्ठ उपाध्यक्ष और शोध प्रमुख हैं, ने कहा कि अवकाश के कारण छोटा रहा यह कारोबारी सप्ताह बाजार के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। वैश्विक अनिश्चितता और ऊर्जा कीमतों में तेजी ने निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता को प्रभावित किया, जिससे बाजार में बिकवाली बढ़ी। सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक State Bank of India का बाजार पूंजीकरण 53,952.96 करोड़ रुपये घटकर 10,55,567.27 करोड़ रुपये रह गया। निजी क्षेत्र के बैंक ICICI Bank का बाजार मूल्य 46,936.82 करोड़ रुपये कम होकर 9,40,049.82 करोड़ रुपये पर आ गया। विश्लेषकों के अनुसार पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी।

सबसे मूल्यवान कंपनियों की रैंकिंग

ताजा आंकड़ों के मुताबिक देश की सबसे मूल्यवान कंपनियों में Reliance Industries पहले स्थान पर बनी हुई है। इसके बाद क्रमशः HDFC Bank, Bharti Airtel, State Bank of India, ICICI Bank, Tata Consultancy Services, Bajaj Finance, Larsen & Toubro, Infosys और Hindustan Unilever शामिल हैं। आईटी कंपनी Tata Consultancy Services का बाजार पूंजीकरण 28,492.44 करोड़ रुपये घटकर 9,25,380.15 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर उद्योगपति ने साझा किए विचार

एजेंसी । नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर उद्योगपति गौतम अडानी ने अपने जीवन और व्यवसायिक यात्रा में महिलाओं के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनके व्यक्तित्व और सफलता की नींव उन मूल्यों पर आधारित है, जो उन्हें परिवार से मिले। अडाणी ने सोशल मीडिया मंच लिंक्डइन पर साझा किए गए अपने संदेश में उन महिलाओं का विशेष उल्लेख किया, जिन्होंने उनके जीवन को दिशा दी। अडाणी ने अपनी मां शांताबेन अडानी को याद करते हुए बताया कि बचपन में उन्होंने रामायण जैसे ग्रंथों की कहानियों के माध्यम से उन्हें साहस, कर्तव्य और त्याग जैसे मूल्यों से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि इन शिक्षाओं का महत्व उन्हें तब और अधिक समझ में आया, जब 16 वर्ष की आयु में वे अपने करियर की शुरुआत करने के लिए मुंबई चले गए थे। उस समय उनकी मां ने जिस विश्वास और मानसिक दृढ़ता के साथ उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति दी।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने भारत पर फिर साबित की बादशाहत

मेजबान ने भारतीय टीम को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी

कप्तान एलिसा हीली ने जीत के साथ ली विदाई

एजेंसी । पर्थ

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने टेस्ट में फिर भारत पर अपनी बादशाहत साबित कर दी। उसने एकमात्र दिन-रात्रि मुकाबले के तीसरे दिन ही मेहमान टीम पर 10 विकेट की आसान जीत दर्ज की। रविवार को ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दूसरी पारी में 149 रन पर समेटने के बाद 25 रन का मामूली लक्ष्य बिना परेशानी बिना विकेट 28 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस तरह टीम ने कप्तान एलिसा हीली को शानदार विदाई दी जिन्होंने करियर का अंत एक ऐसे विरोधी पर शानदार जीत के साथ किया जिसके खिलाफ उन्होंने हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया।भारतीय टीम सुबह अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 105 रन से आगे खेलते हुए 48.2 ओवर में 149 रन पर सिमट गई जिसमें प्रतिका रावल ने 137 गेंद में 63 रन की पारी खेली। एश्ले गार्डनर (दो विकेट) ने कल की दोनों नाबाद बल्लेबाजों स्नेहा राणा (30) और प्रतिका को आउट किया।

साझेदारी को तोड़ा

गार्डनर ने स्नेह को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा। प्रतिका भी इसके बाद ऑफ स्पिनर गार्डनर की गेंद को पुल करने की कोशिश में हवा में लहरा गईं। मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी एनाबेल सदरलैंड ने उनका शानदार कैच लपका जिससे भारतीय पारी का अंत हुआ। ऑस्ट्रेलिया की सबसे सफल गेंदबाज लूसी हैमिल्टन रहीं जिन्होंने 32 रन पर तीन विकेट लिए जबकि सदरलैंड ने 15 और एलेना किंग ने 23 रन पर दो-दो विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए सिर्फ 25 रन की दरकार थी।

"हमने टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज जीतकर अच्छी शुरुआत की लेकिन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट मैच में अच्छा काम जारी नहीं रख सके लेकिन ऑस्ट्रेलिया में पूर्ण सीरीज खेलना एक अच्छा अनुभव था। गुलाबी गेंद का टेस्ट एक अलग चुनौती थी।

-हरमनप्रीत कौर, भारतीय कप्तान

"टी-20 सीरीज में हार के बाद वापसी करना अविश्वसनीय था और मुझे टीम पर गर्व है। इस टीम को आगे बढ़ते और कुछ अच्छे नतीजे हासिल करते देखकर खुश हूं। पिछले एक हफ्ते से अधिक का समय बहुत बढ़िया रहा।

- एलिसा हीली, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान

नंबर गेम

129 रन बनाने के साथ मैच में छह विकेट लेने वाली एनाबेल सदरलैंड प्लेयर ऑफ द मैच रहीं

12 टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की भारत पर यह पांचवीं जीत है, एक टेस्ट भारत जीता जबकि छह ड्रॉ रहे

आईसीसी ने दोहा में होने वाली बैठक स्थगित की

एजेंसी । दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कतर के दोहा में होने वाली अपनी आगामी तीन दिवसीय बैठक को स्थगित करने का निर्णय लिया है।

यह बैठक 25 से 27 मार्च तक आयोजित होनी थी, लेकिन अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे मौजूदा राजनयिक और सैन्य टकराव के कारण सुरक्षा और अन्य परिस्थितियों को देखते हुए इसे फिलहाल टाल दिया गया है। आईसीसी के सूत्रों के अनुसार, अहमदाबाद में विश्व कप फाइनल से ठीक एक दिन पहले शनिवार को सभी सदस्यों को इस संबंध में औपचारिक पत्र भेजकर सूचित कर दिया गया है।

ICC International Cricket Council

अगले महीने एशियाई महाद्वीप में ही होगा आयोजन

हालांकि दोहा में होने वाली बैठक स्थगित हो गई है, लेकिन आईसीसी ने स्पष्ट किया है कि यह चर्चा अगले महीने यानी अप्रैल में आयोजित की जाएगी। बैठक के लिए स्थान अभी तय नहीं है, लेकिन इसे एशियाई महाद्वीप के ही किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण सत्र में आईसीसी के निदेशक मंडल, मुख्य कार्यकारियों, विभिन्न समितियों के सदस्यों और वरिष्ठ पदाधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है, जहाँ खेल के वैश्विक भविष्य से जुड़े अहम फैसले लिए जाएंगे।

कतर के क्रिकेट जुड़ाव और बैठक का एजेंडा

आईसीसी ने मूल रूप से कतर को इसलिए चुना था क्योंकि वहां क्रिकेट की लोकप्रियता और बुनियादी ढांचे में तेजी से विस्तार हो रहा है। इस तीन दिवसीय बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन के संचालन कैलेंडर के हिस्से के रूप में वैश्विक क्रिकेट के वर्तमान और भविष्य से जुड़े जरूरी मामलों पर गहन चर्चा करना था। अब अगले महीने होने वाली बैठक में इन लंबित विषयों पर बातचीत होगी, जिसमें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के ढांचे और आगामी टूर्नामेंटों की रूपरेखा पर मुहर लग सकती है।

न्यूज़ ब्रीफ

दीक्षा ऑस्ट्रेलियाई महिला क्लासिक में पांचवें स्थान पर रहीं

मजेंडा शोर्स। भारत की दीक्षा डागर ने ऑस्ट्रेलिया महिला क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से पांचवां स्थान हासिल किया और 2026 सत्र में पहली बार किसी टूर्नामेंट में शीर्ष पांच में जगह बनाने में सफल रहीं। उन्होंने रविवार को यहां अंतिम दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाया। दीक्षा हवा और बारिश के कारण मुश्किल परिस्थितियों के बीच अंतिम दौर में अंडर पार स्कोर बनाने वाली तीन खिलाड़ियों में शामिल रहीं। शीर्ष पांच में जगह बनाने की दौड़ में शामिल भारत की प्रणवी उर्स अंतिम दौर में छह ओवर 78 के बेहद खराब स्कोर से 14वें स्थान पर खिसक गईं। केल्सी बेनेट ने अंतिम दौर में एक अंडर 71 के स्कोर से चार शॉट की बढ़त से खिताब जीता।

डिकॉक और मिलर ने आईसीसी की आलोचना की

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक और डेविड मिलर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की कड़ी आलोचना की है। खिलाड़ियों का आरोप है कि आईसीसी ने दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की तुलना में इंग्लैंड के यात्रा कार्यक्रम को अधिक प्राथमिकता दी है। पश्चिम एशिया (अमेरिका, इजराइल और ईरान) में चल रहे संघर्ष के कारण हवाई मार्ग प्रभावित हुए हैं, जिसके चलते दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीमें अभी भी भारत में फंसी हुई हैं और स्वदेश लौटने का इंतजार कर रही हैं।विवाद तब शुरू हुआ जब सेमीफाइनल में हारने वाली इंग्लैंड की टीम शनिवार शाम मुंबई से चार्टर्ड उड़ान के जरिए लंदन के लिए रवाना हो गई। इस पर नाराजगी जताते हुए क्विंटन डिकॉक ने इंस्टाग्राम पर सवाल उठाया कि इंग्लैंड की टीम उनसे पहले कैसे निकल गई?

रैंडेल लगातार गेंदों पर पांच विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज

नेपियर। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पांच गेंदों पर लगातार पांच विकेट लेकर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। रैंडेल ने रविवार को प्लंकेट शील्ड मैच के दूसरे दिन नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट के खिलाफ मुकाबले में यह उपलब्धि हासिल की। वह प्रथम श्रेणी में ऐसा करने वाले पहले गेंदबाज बन गए। उन्होंने 11 ओवर में 25 देकर सात विकेट झटक करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट की टीम 82 के स्कोर पर ढेर हो गई और पहली पारी में 373 रन बनाने वाली सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ने उन्हें फॉलोऑन दे दिया। टी-20 में यह उपलब्धि कर्टिस कैम्फर के नाम है। उन्होंने डबलिन में मंस्टर रेड्स के लिए खेलते हुए नॉर्थ-वेस्ट वॉरियर्स के खिलाफ पांच गेंदों में पांच विकेट लिए थे।

रैना को हराकर अदकर ने जीता कलबुर्गी का खिताब

एजेंसी । कलबुर्गी

भारत की उभरती हुई टेनिस सनसनी वैष्णवी अदकर ने कलबुर्गी में आयोजित ITF W35 टूर्नामेंट का एकल खिताब जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। रविवार को खेले गए रोमांचक खिताबी मुकाबले में वैष्णवी ने अपनी ही हमवतन और अनुभवी खिलाड़ी अंकिता रैना को सीधे सेटों में 7-6, 6-4 से पराजित किया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मिली यह जीत वैष्णवी के करियर के लिए एक अनमोल तोहफा साबित हुई है, जिससे भारतीय टेनिस जगत में उनकी नई पहचान बनी है। इस खिताबी जीत के साथ ही वैष्णवी को न केवल ट्रॉफी मिली, बल्कि उनके खाते में 35 WTA रैंकिंग पॉइंट्स और 4,860 डॉलर (लगभग 4 लाख रुपये से अधिक) की पुरस्कार राशि भी आई है।

आदर्श के खिलाफ जीत और भावुक अनुभव

मैच के बाद वैष्णवी ने अपनी भावनाओं को साझा करते हुए अंकिता रैना के प्रति सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बचपन से ही वह अंकिता को उच्च स्तर पर खेलते हुए देखकर बड़ी हुई हैं। ऐसे में अपने आदर्श के खिलाफ कोर्ट पर उतरना, उनके साथ युगल (Doubles) खेलना और फिर एकल फाइनल में उन्हें मात देना उनके लिए एक अविस्मरणीय अनुभव है। वैष्णवी के अनुसार, कलबुर्गी का यह पूरा सप्ताह उनके खेल और सीखने के नजरिए से बेहद सफल रहा है। दूसरी ओर, उपविजेता रहीं अंकिता रैना को 23 रैंकिंग पॉइंट्स और 2,637 डॉलर के पुरस्कार से संतोष करना पड़ा। यह जीत वैष्णवी की वैश्विक रैंकिंग में सुधार करने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास को भविष्य के बड़े टूर्नामेंटों के लिए और मजबूत करेगी।

क्रिकेटर पृथ्वी शॉ ने अपनी गर्लफ्रेंड आकृति अग्रवाल से की सगाई

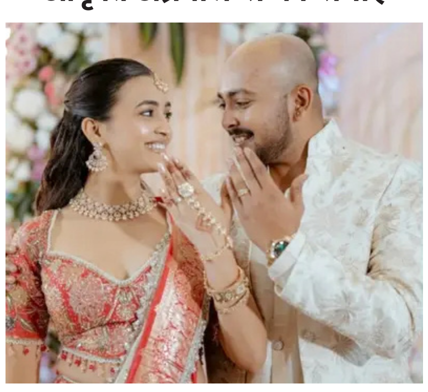

एजेंसी । मुंबई

भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ ने अपनी गर्लफ्रेंड आकृति अग्रवाल से सगाई कर ली है। उन्होंने रविवार (8 मार्च) को सोशल मीडिया पर सगाई की तस्वीरें साझा कीं। कुछ दिन पहले इन दोनों को अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक की शादी मे देखा गया था। शॉ ने भारत के लिए 2018 में टेस्ट डेब्यू किया था। काफी समय से वह भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में वह दिल्ली कैपिटल्स (DC) की टीम का हिस्सा हैं। आकृति ने इंस्टाग्राम पर खुद को अभिनेत्री बताया है। वह फैशन इंफ्लुएंसर भी हैं। वह कई म्यूजिक वीडियो और टीवी पर भी नजर आ चुकी हैं। उन्होंने तेलगु फिल्म त्रिमुखा में अभिनेत्री के तौर पर अपना डेब्यू किया था। उनका जन्म लखनऊ में हुआ, लेकिन अभी वह मुंबई में रहती हैं। इंस्टाग्राम पर आकृति के 3.2 मिलियन (लगभग 32 लाख) फॉलोअर हैं।

न्यूजीलैंड की ताहुहु ने वनडे से संन्यास लिया

एजेंसी । वेलिंगटन

न्यूजीलैंड की दिग्गज तेज गेंदबाज लिया ताहुहु ने रविवार को महिला वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। 35 वर्षीय ताहुहु का वनडे करियर शानदार रहा, जहाँ उन्होंने 15 वर्षों तक अपनी गति और सटीकता से कीवी टीम की गेंदबाजी की कमान संभाली।

विश्व कप में बेमिसाल रिकॉर्ड और गौरवपूर्ण सफर

ताहुहु का नाम न्यूजीलैंड के महानतम गेंदबाजों में गिना जाएगा, विशेषकर विश्व कप जैसे बड़े मंचों पर उनके प्रदर्शन के कारण। उन्होंने अपने करियर में कुल चार वनडे विश्व कप (2013, 2017, 2022 और 2025) में देश का प्रतिनिधित्व किया। विश्व कप इतिहास में उनके नाम 36 विकेट दर्ज हैं, जो न्यूजीलैंड की ओर से एक कीर्तिमान है। अपने सफर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि 'व्हाइट फर्न्स' की जर्सी पहनकर 100 से अधिक मैचों में अपने देश और परिवार का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए एक सपने के सच होने जैसा है। वनडे को अलविदा कहने के बावजूद ताहुहु का अंतरराष्ट्रीय करियर पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। वह टी-20 प्रारूप में खेलना जारी रखेंगी और उनका मुख्य लक्ष्य इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आगामी टी-20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिताब की रक्षा करने में मदद करना है। वह खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी गेंदबाजी से टीम को मजबूती देना चाहती हैं, ताकि कीवी टीम अपना विश्व चैंपियन का दबदबा बरकरार रख सके।

बॉलीवुड

फौजी में शामिल हुआ बॉलीवुड का दिग्गज

साउथ सुपरस्टार प्रभास की आने वाली बहुचर्चित फिल्म 'फौजी' को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। हनु राघवुडी के निर्देशन में बन रही इस पीरियड ड्रामा एक्शन फिल्म में हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर को शामिल किया गया है। फिल्म के मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर इस खबर की पुष्टि कर दी है। हालिया फिल्म 'द राजा साहब' के बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन न कर पाने के बाद, अब प्रभास के फैंस को इस बड़े बजट की फिल्म और इसमें अनुभवी कलाकारों के जुड़ने से काफी उम्मीदें हैं। 80 के दशक में अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाले अनुपम खेर के लिए 'फौजी' उनके करियर का एक और बड़ा मील का पत्थर साबित होगी। यह उनके फिल्मी सफर की 544वीं फिल्म है। अब तक 540 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके खेर इस साउथ फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आएंगे। उनके जन्मदिन के मौके पर फिल्म के

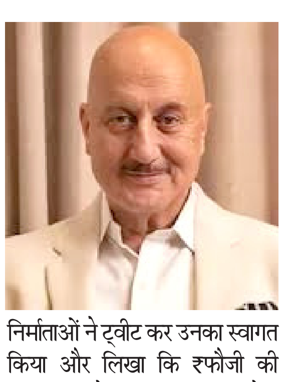

निर्माताओं ने ट्वीट कर उनका स्वागत किया और लिखा कि #फौजी की बटालियन में आपका शामिल होना हमारे लिए सम्मान की बात है।

चिरंजीवी को मिलेगा एनटीआर राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

मेगास्टार चिरंजीवी को तेलंगाना सरकार की ओर से एनटीआर राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के लिए चुना गया है। इसके अलावा सरकार ने बताया कि भारतीय फिल्म जगत की शख्सियत को दिया जाने वाला पैडी जयराज फिल्म पुरस्कार अभिनेता कमल हासन को दिया जाएगा। तेलंगाना फिल्म विकास निगम के अध्यक्ष वेंकट रमना रेड्डी ने जूरी के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर 'तेलंगाना गद्दार फिल्म पुरस्कार 2025' (टीजीएफए) की विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं के नाम उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क को सौंपे। जूरी के अन्य सदस्यों में अभिनेता-लेखक तनिकेला भरानी, संगीत निर्देशक मणि शर्मा, निर्माता तम्मारेड्डी भारद्वाज भी शामिल हैं। चिरंजीवी और कमल हासन को दिए गए ये पुरस्कार सरकार द्वारा घोषित विशेष पुरस्कारों का हिस्सा हैं।

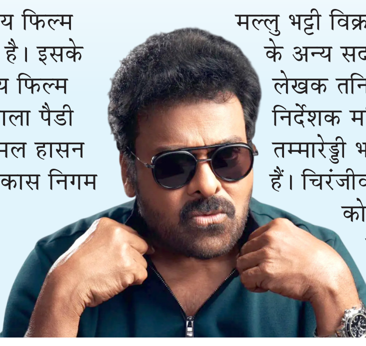

'गोलमाल 5' में अक्षय कुमार की एंट्री

रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनने वाली सुपरहिट फ्रेंचाइजी 'गोलमाल 5' को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। इस फिल्म में अब अजय देवगन के साथ खिलाड़ी अक्षय कुमार की एंट्री हो गई है, जो फिल्म में कॉमेडी का जबरदस्त तड़का लगाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्षय कुमार ने इस प्रोजेक्ट के लिए अपनी सहमति दे दी है और वह लगभग 18 दिनों तक फिल्म की शूटिंग करेंगे। हालांकि अभी तक आधिकारिक घोषणा होना बाकी है, लेकिन रोहित शेट्टी और अजय देवगन के साथ अक्षय की ट्यूनिंग को देखते हुए फैंस में भारी उत्साह है। अजय देवगन और अक्षय कुमार की जोड़ी पर्दे पर हमेशा से सफल रही है। इन दोनों दिग्गजों ने 32 साल पहले 'सुहाग' से लेकर हालिया 'सूर्यवंशी' और 'सिंघम अगेन' जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में साथ काम किया है। 'गोलमाल 5' में दर्शकों को इन दोनों अभिनेताओं के बीच 'टॉम एंड जेरी' जैसा खट्टा-मीठा रिश्ता देखने को मिलेगा। अक्षय कुमार का किरदार फिल्म में काफी प्रभावशाली बताया जा रहा है, जो कहानी में एक नई ऊर्जा और हास्य का संचार करेगा।

खून-खराबे के ट्रेंड पर नाराज हुईं करीना कपूर खान

करीना कपूर ने बॉलीवुड फिल्मों में बदलते ट्रेंड को लेकर अपनी राय रखी है और आजकल की फिल्मों के कॉन्सेप्ट पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने बताया कि कैसे आज की फिल्में पुरानी के मुकाबले काफी अलग हैं। करीना कपूर खान ने हाल ही में फिल्मों में बढ़ती हिंसा और खून-खराबे के ट्रेंड पर अपनी चिंता जाहिर की है। उनका कहना है कि आजकल की कई फिल्मों में पहले जैसी मस्ती, रंग, गाने और रोमांस की कमी महसूस होती है। एक इंटरव्यू में करीना ने कहा कि मौजूदा समय में कई फिल्में ज्यादा 'क्राइम और खून' पर ज्यादा फोकस करती हैं। उनके मुताबिक, इस तरह की फिल्मों में पहले जैसा मनोरंजन, एनर्जी, रंग और रोमांस देखने को कम मिलता है, जो कभी बॉलीवुड की पहचान हुआ करता था। करीना ने यह भी माना कि सिनेमा में बढ़ती 'हाइपर-मस्कुलिनिटी' यानी अत्यधिक मर्दानगी दिखाने का चलन उन्हें थोड़ा डराता है। उनका मानना है कि फिल्में सिर्फ एक्शन और हिंसा तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनमें प्यार, म्यूजिक और भावनाएं भी उतनी ही जरूरी हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो करीना कपूर खान जल्द ही निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। करीना लगातार फिल्मों और ओटीटी प्रोजेक्ट्स में सक्रिय हैं और अलग-अलग तरह के किरदार निभाते हुए नजर आ रही हैं।

लोकसभा में आज अविश्वास प्रस्ताव, हंगामे के आसार

एजेंसी । नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र का दूसरा हिस्सा एक बड़े राजनीतिक घमासान के साथ शुरू होने जा रहा है। 39 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष (ओम बिरला) के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होगी। सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों ने इस 'संसदीय संग्राम' के लिए कमर कस ली है।

10 घंटे की बहस के लिए पक्ष-विपक्ष तैयार

श्रद्धांजलि के बाद शुरु होगा 'संसदीय दंगल'

सोमवार को सदन की शुरुआत शिलांग के सांसद डॉ. रिकी एजे सिंगकॉन को श्रद्धांजलि देने के साथ होगी। परंपरा के अनुसार इसके बाद सदन कुछ देर के लिए स्थगित हो सकता है, लेकिन उसके बाद असली चर्चा शुरू होगी। कार्यसूची में अविश्वास प्रस्ताव को शामिल किया गया है, जिस पर करीब 10 घंटे की लंबी बहस होने की उम्मीद है।

विपक्षी एकजुटता और 'टीएमसी' का यू-टर्न

विपक्ष के 118 सांसदों ने इस प्रस्ताव के समर्थन में हस्ताक्षर किए हैं। पहले तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने इस पर हस्ताक्षर नहीं किए थे, लेकिन अब खबर है कि ममता बनर्जी की पार्टी भी प्रस्ताव के समर्थन में खड़ी होगी। वहीं, शरद पवार की एनसीपी ने अभी तक औपचारिक रुख साफ नहीं किया है, लेकिन माना जा रहा है कि वे विपक्ष के साथ ही रहेंगे।

सरकार का 'काउंटर अटैक' प्लान

संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सत्तापक्ष के सांसदों के साथ बैठक कर रणनीति तय कर ली है। सरकार न केवल विपक्ष के आरोपों को खारिज करेगी, बल्कि उन पुरानी घटनाओं की याद भी दिलाएगी जहाँ विपक्षी नेताओं ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या राज्यपालों जैसे संवैधानिक पदों का कथित तौर पर 'अनादर' किया है। सरकार इसे विपक्ष के 'अहंकार' के रूप में पेश करने की कोशिश करेगी।

39 साल का इतिहास और नियम

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना एक दुर्लभ घटना है। इससे पहले ऐसी चर्चा दशकों पहले हुई थी। यह सदन के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है जहाँ स्पीकर की निष्पक्षता और सदन चलाने के तौर-तरीकों पर खुली बहस होगी।

बिरला नहीं रहेंगे सदन में मौजूद

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि जब तक उनके खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव का निपटारा नहीं हो जाता तब तक वे सदन में मौजूद नहीं रहेंगे।

वैश्विक तनाव और तेल की बढ़ती कीमतें

स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव के अलावा, विपक्ष विदेश नीति पर भी सरकार को घेरेगा। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में आए उछाल और रूस से तेल खरीद पर अमेरिका के बयानों को लेकर विपक्ष संसद में तीखे सवाल पूछने की तैयारी में है।

अब तक तीन बार आए प्रस्ताव

लोकसभा अध्यक्ष को पद से हटाने के लिए अब तक तीन औपचारिक प्रस्ताव पेश किए गए हैं, पर कोई भी प्रस्ताव पारित नहीं हुआ। सबसे पहले 1954 में तत्कालीन अध्यक्ष जीवी मावलंकर के खिलाफ समाजवादी नेता विग्नेश्वर मिश्रा ने पेश किया, पर इस पर सदन में पर्याप्त समर्थन नहीं मिला और प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया है। इसके बाद 1966 में सरदार हुकुम सिंह के खिलाफ समाजवादी नेता मधु लिमये ने पेश किया। इस पर चर्चा हुई और प्रस्ताव गिर गया। तीसरी बार 1987 में तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ के खिलाफ वामपंथी नेता सोमनाथ चटर्जी ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। इसको भी जरूरी बहुमत नहीं मिला और यह भी पारित नहीं हो सका। इसके बाद पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस देने की बात हुई थी, पर बाद में विपक्ष ने नोटिस देने का फैसला छोड़ दिया था।

नहीं रहे 1965 युद्ध के नायक

केजी जॉर्ज का 95 वर्ष की उम्र में निधन, केरल में ली अंतिम सांस

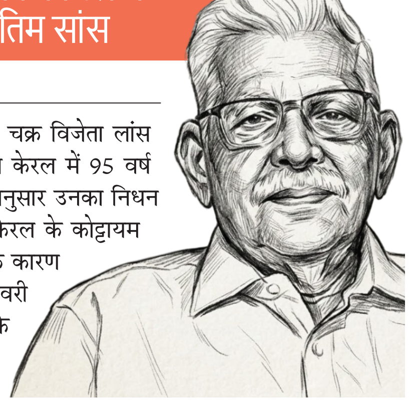

एजेंसी । कोट्टायम

1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के वीर चक्र विजेता लांस हवलदार (सेवानिवृत्त) के.जी. जॉर्ज का केरल में 95 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। परिवार के अनुसार उनका निधन शनिवार सुबह उनके घर पर हुआ। वे केरल के कोट्टायम में रहते थे और उम्र से जुड़ी बीमारियों के कारण उनका देहांत हुआ। उनका जन्म फरवरी 1931 में हुआ था और उन्होंने 1965 के युद्ध में भारतीय सेना के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

कॉर्प्स ऑफ सिग्नल्स इकाई में थे तैनात

लांस हवलदार के.जी. जॉर्ज भारतीय सेना की कॉर्प्स ऑफ सिग्नल्स इकाई में तैनात थे। यह सेना की वह इकाई है जो युद्ध के दौरान संचार व्यवस्था को बनाए रखने का काम करती है। 1965 के युद्ध में जॉर्ज ने बेहद बहादुरी और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया था।

वाघा सेक्टर में गोलाबारी और हवाई हमलों के बीच दिखाया अदम्य साहस

वीर चक्र के लिए जारी प्रशस्ति-पत्र के अनुसार, 6 से 10 सितंबर 1965 के बीच वाघा सेक्टर में लगातार दुश्मन की गोलाबारी और हवाई हमलों के बावजूद जॉर्ज ने अपने दल का नेतृत्व करते हुए संचार लाइनों को बार-बार ठीक किया। 8 और 9 सितंबर की रात दुश्मन के हमले के दौरान उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर ब्रिगेड मुख्यालय और अग्रिम मोर्चे पर तैनात बटालियनों के बीच संचार लाइन स्थापित की। उनके इस साहस और कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए उन्हें वीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

कोट्टायम में पूरे सैन्य सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार

जॉर्ज के पोते रेमो जॉन ने बताया कि परिवार के कुछ सदस्य फिलहाल दुबई में हैं और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण अभी भारत नहीं आ पाए हैं। उम्मीद है कि वे मंगलवार तक भारत पहुंच जाएंगे। तब तक जॉर्ज के पार्थिव शरीर को सुरक्षित रखने के लिए स्थानीय मोर्चरी में रखा गया है। परिवार के सदस्य भारत लौटने के बाद कोट्टायम में पूरे सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार और अंतिम विदाई दी जाएगी। के.जी. जॉर्ज को देश के लिए उनकी बहादुरी और सेवा के लिए हमेशा याद किया जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

बांग्लादेश के मंदिर में धमाका, तीन घायल

ढाका। बांग्लादेश के कुमिल्ला में शनिवार को कलागाछितला मंदिर और पास की सड़क के पास हुई सिलसिलेवार पेट्रोल बम धमाकों में मंदिर के पुजारी समेत तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने मंदिर के मंडप में पेट्रोल बम फेंका। जब पुजारी केशव चक्रवर्ती उसे डंडे से हटाने की कोशिश कर रहे थे, तभी बम फट गया और वह घायल हो गए। घटना के बाद हमलावर पास की बागानबाड़ी मस्जिद के सामने दो और बम फेंककर फरार हो गए। इन धमाकों में मस्जिद में नमाज पढ़ने आए अब्दुल बरेक सहित दो लोग घायल हो गए। तीसरे घायल व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। तीनों घायलों को कुमिल्ला सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक एमडी अनिसुज्जमान ने कहा कि यह हमला हाल ही में हुए आम चुनाव के बाद क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने की साजिश हो सकती है।

ईरान के नए सुप्रीम नेता पर बनी सहमति, ऐलान जल्द

दुबई। ईरान के अगले सर्वोच्च नेता के चयन को लेकर अहम प्रगति हुई है। देश की धार्मिक संस्था एसेंबली ऑफ एक्सपर्ट में नए सुप्रीम लीडर के नाम पर लगभग सहमति बन गई है।इस संस्था के सदस्य अयातुल्ला मोहम्मदमेहदी मीरबाकेरी ने रविवार को कहा कि बहुमत की सहमति बन चुकी है। हालांकि प्रक्रिया में अभी कुछ बाधाएं बाकी हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की हालिया युद्ध के दौरान मौत के बाद उनके उत्तराधिकारी को चुनने की प्रक्रिया शुरू की गई है। संस्था के दो अन्य सदस्यों मोहसेन हैदरी अलेकासिर और अहमद अलमोल्होदा ने भी ईरानी मीडिया से कहा कि उत्तराधिकारी का चयन कर लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संस्था के सचिवालय प्रमुख हशेम हुसैनी बुशहरी इस फैसले की औपचारिक घोषणा करेंगे। हालांकि मौजूदा युद्ध की स्थिति के कारण संस्था की पूर्ण बैठक करना मुश्किल बताया जा रहा है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में किया पहली 'रिंग मेट्रो' का उद्घाटन,

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राजधानी दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन और बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया। उन्होंने दिल्ली मेट्रो के 2 नए महत्वपूर्ण कॉरिडोर का उद्घाटन करने के साथ 3 नई मेट्रो लाइनों की आधारशिला भी रखी। इसके अलावा, उन्होंने सरकारी आवासों के पुनर्विकास के लिए 15,200 करोड़ रुपये की सामान्य पूल आवासीय आवास (GPRA) पुनर्विकास योजना योजनाओं का भी शुभारंभ किया है। दिल्ली मेट्रो में अब 2 नए कॉरिडोर परिवहन नेटवर्क में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे। इसमें पिंक लाइन का लगभग 12.3 किलोमीटर लंबा मजलिस पार्क-मौजपुर बाबरपुर कॉरिडोर शामिल है, जो दिल्ली के बुराड़ी, खजूरी खास और भजनपुरा को सीधा जोड़ेगा।

राष्ट्रपति प्रोटोकॉल उल्लंघन मामला

केंद्र ने बंगाल सरकार से जवाब मांगा

एजेंसी । नई दिल्ली

राष्ट्रपति के पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान कथित प्रोटोकॉल उल्लंघन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। केंद्र सरकार ने इस मामले में राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। सूत्रों के अनुसार, केंद्र ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को पत्र भेजकर प्रोटोकॉल, कार्यक्रम स्थल और मार्ग व्यवस्था से जुड़े कथित उल्लंघनों पर स्पष्टीकरण मांगा है।

'ब्लू बुक' नियमों का जिक्र

केंद्र सरकार ने पत्र में 'ब्लू बुक' के नियमों का हवाला दिया है। ब्लू बुक एक गोपनीय दस्तावेज है, जिसमें राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान सुरक्षा और प्रोटोकॉल से जुड़े विस्तृत दिशा-निर्देश तय किए गए हैं। केंद्र का कहना है कि दौरे के दौरान इन नियमों का गंभीर उल्लंघन हुआ है।

कार्यक्रम में कम उपस्थिति पर जताई नाराजगी

सूत्रों के मुताबिक राष्ट्रपति ने शनिवार को बागडोगरा हवाईअड्डे के पास आदिवासी समुदाय के कार्यक्रम में कम लोगों की मौजूदगी पर निराशा जताई थी। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि कार्यक्रम को बिधाननगर के बजाय इस स्थान पर आयोजित करने का फैसला क्यों लिया गया। केंद्र सरकार ने पत्र में इस बात पर भी स्पष्टीकरण मांगा है कि राष्ट्रपति के आगमन के समय राज्य की मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक मौजूद क्यों नहीं थे। बताया गया कि उस समय केवल सिलीगुड़ी के महापौर ही स्वागत के लिए मौजूद थे, जिसे प्रोटोकॉल का उल्लंघन माना गया है।

व्यवस्थाओं में कमी का भी मामला

सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति के लिए बनाए गए वॉशरूम में पानी की कमी पाई गई और उनके काफिले के मार्ग पर गंदगी भी देखी गई। केंद्र ने इन व्यवस्थागत कमियों पर भी राज्य सरकार से जवाब मांगा है। साथ ही दार्जिलिंग के जिलाधिकारी, सिलीगुड़ी के पुलिस आयुक्त और अतिरिक्त जिलाधिकारी के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई, इसकी जानकारी भी मांगी गई है।

एनसीबी ने 'टीम कल्कि' ड्रग नेटवर्क का किया भंडाफोड़

डार्कनेट के जरिए चल रहा था तस्करी का जाल

एजेंसी । नई दिल्ली

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए देशभर में फैले डार्कनेट आधारित मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क "टीम कल्कि" का भंडाफोड़ किया है। एजेंसी के अनुसार यह नेटवर्क जनवरी 2025 से डार्कनेट प्लेटफॉर्म और एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप 'सेशन' के माध्यम से संचालित हो रहा था। खुफिया जानकारी के आधार पर एनसीबी ने नई दिल्ली में अभियान चलाकर इस नेटवर्क का पर्दाफाश किया।

एलएसडी, एमडीएमए और अन्य नशीले पदार्थ बरामद

कार्रवाई के दौरान एनसीबी ने 2,338 एलएसडी ब्लॉटर्स, 160 एमडीएमए (एक्स्टेसी) गोलियां जिनका वजन 77.517 ग्राम है, 73.612 ग्राम चरस, 3.642 ग्राम एम्फेटामाइन और 3.6 किलोग्राम लिक्विड एमडीएमए बरामद किया। यह बरामदगी 13 घरेलू पार्सलों और नीदरलैंड से आए दो पार्सलों से की गई, जो इस नेटवर्क से जुड़े थे।

जेल में हुई थी दोनों आरोपितों की पहचान

जांच में सामने आया कि डार्कनेट विक्रेता "टीम कल्कि" को अनुराग ठाकुर और उसका सहयोगी विकास राठी संचालित कर रहे थे। दोनों पहले भी एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामलों में गिरफ्तार हो चुके हैं। विकास राठी दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के चरस तस्करी मामले में तिहाड़ जेल में था, जबकि अनुराग ठाकुर मेथाम्फेटामाइन तस्करी के मामले में जेल में बंद था।

क्रिप्टोकरेंसी से होता था भुगतान

जांच में पता चला कि ग्राहक भुगतान क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से करते थे, जिसमें मोनेरो और यूएसडीटी जैसी डिजिटल मुद्राओं का उपयोग किया जाता था। इन पैसों को कई वॉलेट के जरिए घुमाकर अंत में कोल्ड वॉलेट में रखा जाता था, जिससे लेन-देन का पता लगाना मुश्किल हो जाता था। एनसीबी के अनुसार इस नेटवर्क से जनवरी 2025 से अब तक एक हजार से अधिक पार्सल देशभर में भेजे जाने की आशंका है और मामले की जांच जारी है।

डार्क वेब और कूरियर से होती थी सप्लाई

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपित पहले डार्क वेब फोरम "ड्रेड" पर सक्रिय थे और बाद में 'सेशन' एप के जरिए ऑर्डर लेने लगे। वे नीदरलैंड, पोलैंड और जर्मनी से एलएसडी व एमडीएमए जैसे नशीले पदार्थ मंगाते थे। इसके बाद कूरियर और डाक सेवाओं के माध्यम से देशभर में ग्राहकों तक पार्सल भेजे जाते थे। दिल्ली के कुछ इलाकों में "डेड ड्रॉप" तकनीक का इस्तेमाल भी किया जाता था।

7 दिन में खाड़ी देशों से लौटे 52000 भारतीय

- 32,107 को भारतीय एयरलाइंस लेकर आईं
- अकेले इजराइल में रहते हैं 41 हजार इंडियन

एजेंसी । नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र की स्थिति पर जानकारी देते हुए बताया कि 1 से 7 मार्च 2026 के बीच 52 हजार से अधिक भारतीय सुरक्षित रूप से भारत लौटे हैं। इनमें से 32,107 भारतीयों को भारतीय एयरलाइंस के जरिए लाया गया, जबकि बाकी लोग विदेशी कमर्शियल और नॉन-शेड्यूल्ड उड़ानों से वापस आए।मंत्रालय के अनुसार क्षेत्र में बिगड़ते हालात को देखते हुए एक विशेष कंट्रोल रूम बनाया गया है, जो प्रभावित भारतीयों और उनके परिवारों की सहायता कर रहा है। साथ ही विभिन्न देशों में भारतीय दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों ने 24 घंटे हेल्पलाइन सेवा भी शुरू की है।

और उड़ानों की तैयारी

MEA ने बताया कि क्षेत्रीय हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुलने के बाद भारतीय और विदेशी एयरलाइंस कमर्शियल तथा विशेष उड़ानें चला रही हैं। आने वाले दिनों में जरूरत के अनुसार और उड़ानें संचालित करने की योजना भी बनाई जा रही है।

भारतीयों को सतर्क रहने की सलाह

जहां कमर्शियल फ्लाइट्स उपलब्ध नहीं हैं, वहां भारतीय नागरिकों को नजदीकी भारतीय दूतावास या वाणिज्य दूतावास से संपर्क करने को कहा गया है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे दूतावास की वेबसाइट पर जारी अपडेट्स देखते रहें, अनावश्यक यात्रा से बचें और सुरक्षित स्थानों पर ही रहें।

इजराइल-ईरान में भी बड़ी संख्या में भारतीय

विदेश मंत्रालय के अनुसार इजराइल में 41 हजार से अधिक भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जबकि ईरान में जनवरी तक 10 हजार से ज्यादा भारतीय मौजूद थे, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र हैं। दूतावासों ने लोगों से अपील की है कि वे नजदीकी सुरक्षित शेल्टर की जानकारी रखें।

न्यायिक हिरासत में युवक की मौत

एजेंसी । मदुरई

रविवार को मदुरई के सरकारी राजाजी अस्पताल में हाईटेंशन का माहौल रहा, जब 26 वर्षीय युवक आकाश डेलिसन की न्यायिक हिरासत में मौत हो गई। मृतक को मनामदुरई पुलिस ने शुक्रवार को जायन नगर में हुए सिकल हमले के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, अक्षय के पैर में गिरने से फ्रैक्चर हुआ था, जब वह गिरफ्तारी से बचने की कोशिश कर रहा था। इसके बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट ने उसे 18 मार्च तक रिमांड पर भेजा और इलाज के लिए राजाजी अस्पताल के कैदी वार्ड में भर्ती किया गया। रविवार सुबह उसकी सांस लेने में दिक्कत हुई और कुछ समय बाद उसकी मौत हो गई। हालांकि दूसरी ओर मृतक के माता-पिता ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पुलिस ने अक्षय को एक जंगल में ले जाकर पत्थरों से मार-मारकर उसकी हड्डियां तोड़ दीं और जातिवादी गालियां दीं।

नरेंद्र मोदी 2024 में इसी मतदाता सूची से PM बने : सीएम ममता

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में चल रही विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं के नाम मनमाने तरीके से हटाए जा रहे हैं। बनर्जी ने कहा कि अगर यही मतदाता सूची 2024 में थी, जिसके आधार पर मोदी प्रधानमंत्री बने, तो फिर अब उसी सूची से लोगों को वोट देने से क्यों रोका जा रहा है।

सीईसी को प्रधानमंत्री से मांगना चाहिए इस्तीफा : ममता

कोलकाता के एक धरना मंच से बोलते हुए सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि अगर मतदाता सूची में गड़बड़ी हो रही है तो इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को सबसे पहले इस्तीफा देना चाहिए, क्योंकि वे भी इसी मतदाता सूची के आधार पर चुने गए थे। ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को प्रधानमंत्री से इस्तीफा मांगना चाहिए।

उम्मीद वैज्ञानिकों ने तैयार किए सैटेलाइट लिवर, जिन्हें किया जा सकता है इंजेक्ट

बिना ऑपरेशन शरीर में फिट होंगे लिवर

एजेंसी । कैंब्रिज

लिवर की बीमारी से जूझ रहे लोगों के शरीर में अब बिना ऑपरेशन के छोटे-छोटे लिवर फिट किए जा सकेंगे, जिससे खराब हो रहे लिवर को सपोर्ट सके।अमेरिका स्थित मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के वैज्ञानिकों ने लिवर की कोशिकाओं के छोटे-छोटे गुच्छे तैयार किए हैं, जिन्हें 'सैटेलाइट लिवर' नाम दिया गया है। ये छोटे-छोटे टिशू (ऊतक) बिल्कुल असली लिवर की तरह काम कर सकते हैं। इन लिवर को शरीर में फिट करने के लिए किसी बड़ी सर्जरी की जरूरत नहीं है, इन्हें एक साधारण इंजेक्शन (सुई) के जरिए मरीज के शरीर में डाला जा सकता है।

सफल रहा परीक्षण

वैज्ञानिकों ने चूहों के पेट के फैट टिशू में ये मिनी-लिवर इंजेक्ट किए। ये छोटे लिवर न केवल आठ हफ्तों तक जिंदा रहे, बल्कि उन्होंने वे सभी जरूरी प्रोटीन और एंजाइम भी बनाए जो एक स्वस्थ लिवर बनाता है।

कैसे काम करता है

इस मिनी-लिवर को बनाने के लिए वैज्ञानिकों ने तीन चीजों का इस्तेमाल किया है :

- हेपेटोसाइट्स : ये मुख्य कोशिकाएं हैं, जो लिवर का सारा काम (सफाई और प्रोटीन बनाना) करती हैं।
- फाइब्रोब्लास्ट्स : ये कोशिकाएं ढांचे को सहारा देती हैं और नई खून की नसें बनाने में मदद करती हैं।
- हाइड्रोजेल बॉल्स : ये छोटे जेल जैसे गोले होते हैं, जो कोशिकाओं को एक साथ पकड़ कर रखते हैं और उन्हें शरीर के अंदर सुरक्षित रखते हैं।

मरीजों के लिए वरदान

जो मरीज डोनर के इंतजार में हैं, उनके लिए यह एक 'सपोर्ट सिस्टम' की तरह काम करेगा। बहुत से मरीज इतने कमजोर होते हैं कि वे बड़ी सर्जरी सहन नहीं कर सकते। उनके लिए यह इंजेक्शन वाला तरीका बेहद सुरक्षित है। यह असली लिवर को पूरी तरह बदलने के बजाय उसे सहारा देने का काम करता है, जिससे शरीर की गंदगी साफ होती रहती है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, सबसे बड़ी चुनौती यह है कि शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली इन बाहरी कोशिकाओं को दुश्मन समझकर उन पर हमला न कर दे।